



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9]  
No. 9]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 4, 2008/पौष 14, 1929  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 4, 2008/PAUSA 14, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 2008

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : यूरोपीय संघ, चीनी ताइपेई, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका तथा अमेरिका के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एसीटीन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

सं. 14/4/2006-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. जबकि, मैसर्स हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल लि., मुम्बई तथा मै. शेनेक्ट्रेडी हर्डिल्लिका लि., मुम्बई (अब एस आई ग्रुप इंडिया लि. के नाम से ज्ञात) (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें यूरोपीय संघ, चीनी ताइपेई, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका तथा अमेरिका (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एसीटीन (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लग गया था और संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जाँच करने का अनुरोध किया गया है। प्राधिकारी ने नियमों उप-नियम 5(5) के अनुसार यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, ताईवान सांस्कृतिक केन्द्र के उच्चायोगों तथा अमेरिका के दूतावास को पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में सूचित किया ।

3. और, जबकि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 7-9-2006 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा नियमों के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जाँच शुरू की गयी थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगायी जाए तो, घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश की जा सके ।

4. और, यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 25-4-2007 की अधिसूचना सं. 14/4/2006-डीजीएडी के माध्यम से प्रारंभिक जाँच परिणामों को अधिसूचित किया और यूरोपीय संघ, चीनी ताइपेई, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका एवं अमेरिका के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एसीटीन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की ।

### क. प्रारंभिक जाँच परिणाम के बाद की प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जाँच परिणाम को अधिसूचित करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात इस जाँच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों, जो प्रारंभिक जाँच परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के इच्छुक थे, को प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति भेजी और उनसे उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था ।
- (ii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को भी प्रारंभिक जाँच परिणामों की प्रति भेजी और उनसे प्रारंभिक जाँच परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया ।
- (iii) अंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों के आँकड़ों/सूचना पर विचार किया गया है :-
  - मै0 फार्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पो., ताइवान
  - मै0 सासोल सॉल्वेंट्स, दक्षिण अफ्रीका
  - मै0 ताइवान प्रॉस्टपैरिटी केमिकल्स कॉर्पो., ताइवान
  - मै0 मित्सुई एंड कं0 लि0, सिंगापुर
  - सुमितोमो कॉर्पो0, सिंगापुर एवं मै0 पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, यूएई
- (iv) मै. डो केमिकल्स, अमेरिका ने निवेदन किया है कि जाँच अवधि के दौरान उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है, तथापि उसे सहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना जाए ।
- (v) अंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित आयातकों के आँकड़ों/सूचना पर विचार किया गया है :-
  1. मै0 नैशनल ऑर्गेनिक केमिकल इंडस्ट्रीज लि0, मुम्बई
  2. मै0 रैनबैक्सी लैबोरेटरीज लि0, गुड़गाँव
  3. मै0 लैक्सेस इंडिया प्रा0लि0, थाणे, महाराष्ट्र
  4. मै0 क्रेसेन्ट केमसोल प्रा0लि0, बड़ोदरा
- (vi) सूचना प्रस्तुत न करने वाले अन्य निर्यातकों एवं आयातकों को असहयोगी निर्यातक एवं आयातक माना गया है ।
- (vii) हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई के लिए प्राधिकारी ने 19.06.2007 को सार्वजनिक सुनवाई की । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों से उनके द्वारा मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस जाँच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार किया है ।

- (viii) प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों में व्यक्त सभी विचारों पर प्राधिकारी ने विचार किया है।
- (ix) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया।
- (x) प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का भी आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया।
- (xi) इस जाँच के प्रयोजनार्थ वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) द्वारा प्रस्तुत सौदे-दार आयात आँकड़ों पर विचार किया गया है।
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल (विधिवत सूचीबद्ध) के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा। फाइल का निरीक्षण एवं रिकॉर्ड की प्रतियाँ लेने वाले हितबद्ध पक्षकारों की पावतियाँ सार्वजनिक फाइल में रखी गई है।
- (xiii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।
- (xiv) नियमों के नियम 16 के अनुसार इन जाँच परिणामों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों पर प्रकट किया गया था तथा आँकड़ों में आवश्यक संशोधन करने के लिए उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जाँच परिणामों में विधिवत विचार भी किया गया है।
- (xv) 2001 की सिविल अपील सं. 1294 में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्यों का निर्धारण किया गया है।
- (xvi) \*\*\*\* से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।
- (xvii) जाँच में 1 जुलाई, 2005 से 30 जून, 2006 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी। क्षति विश्लेषण के संबंध में रुझानों की जाँच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2005 और अप्रैल, 2005 और 2006 और जाँच अवधि शामिल थी।

## ख. विचाराधीन उत्पाद

6. विचाराधीन उत्पाद “एसीटोन” है। एसीटोन एक कार्बनिक रसायन है जिसे डाई-मिथाइल कीटोन के नाम से भी जाना जाता है और इसका प्रयोग बल्क भेषजों, कृषि रसायनों, रंजक सामग्रियों, कुछेक विस्फोटकों तथा निम्नस्तरीय रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-29 के तहत उप-शीर्ष सं. 29141100 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

7. यह एक आधारभूत कार्बनिक रसायन है जिसका उत्पादन एकल ग्रेड में होता है। यह एक रंगहीन तरल है जिसमें ईथर जैसी गंध होती है। इसका प्रयोग बल्क भेषजों, कृषि रसायनों, रंजक सामग्रियों, कुछेक विस्फोटकों तथा निम्नस्तरीय रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन का प्रयोग विशेष रूप से आइसोफोरोन, डाईएसीटोन, मिथाइल मिथाक्राइलेड तथा बाईस्फेनॉल ए के विनिर्माण में होता है। इसके अतिरिक्त, इसका प्रयोग कुछेक रबड़ रसायनों या ऑक्सी एसीथाइलीन सेल्युलोस एसीटेट के विनिर्माण में होता है।

**ख.1 समान वस्तु**

8. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित “एसीटोन” विचाराधीन उत्पाद के समान है, अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ उसे समान वस्तु माना जा रहा है।

**ग. घरेलू उद्योग की स्थिति तथा जाँच की शुरुआत**

9. यह आवेदन मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लि०, मुम्बई तथा मै. शेनक्टेडी हर्डिलिया लि० (अब एसआई-इंडिया प्रा० लि० के नाम से ज्ञात), मुम्बई द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जो भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु के 100% का उत्पादन करते हैं, इसलिए, वे भारतीय पाटनरोधी नियम के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह सूचित किया गया है कि शर्करा/एल्कोहल मार्ग से एसीटोन का उत्पादन करने वाले उत्पादकों द्वारा जांच अवधि के दौरान एसीटोन का उत्पादन नहीं किया गया था।

**ग.1 मै० एसआई ग्रुप-इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात**

10. जाँच अवधि के दौरान मै. एसआई ग्रुप-इंडिया लि० ने \*\*\*\* मी. टन एसीटोन का आयात किया है। कम्पनी ने उल्लेख किया है कि मुख्य रूप से शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत आयातित एसीटोन से विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात के लिए आयात किए गए थे। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान यह सत्यापित किया गया था कि कम्पनी ने शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत \*\*\*\* मी. टन का आयात किया था और उस पर एसीटोन से उत्पादित उत्पादों के निर्यात का दायित्व था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयात कुल आयात का 83% थे और वे निर्यात हेतु अन्य उत्पादों के विनिर्माण के निमित्त और न कि देश में खपत हेतु थे। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि मै० एसआई-ग्रुप इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात से वह घरेलू उद्योग का एक भाग होने के लिए अपात्र नहीं हो जाते हैं।

11. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह कहा गया है कि एसआई ग्रुप-इंडिया लि० द्वारा किए गए आयातों के कारण उन्हें घरेलू उद्योग का एक भाग नहीं माना जाना चाहिए। दूसरा, शुल्क छूट स्कीम के तहत किए गए आयातों के कारण वे घरेलू उद्योग का एक भाग होने के लिए अपात्र हो जाने चाहिए क्योंकि नियम 2(घ) के तहत शुल्क मुक्त तथा शुल्क प्रदत्त आयातों में कोई अंतर नहीं किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(घ) के तहत प्राधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया जाता है कि क्या किसी उत्पादक द्वारा किए गए आयातों के कारण वे घरेलू उद्योग का भाग होने के लिए अपात्र हो जाते हैं, तथापि नियम 2(घ) के तहत संबद्ध वस्तु का आयात करने वाले सभी उत्पादकों को अपात्र करार देना अनिवार्य नहीं है। तथ्यों एवं प्रयोजन की जाँच करने के बाद प्राधिकारी को इस बारे में मत निर्धारित करना है कि उत्पाद द्वारा किए गए संबद्ध वस्तु के आयात अपात्र हैं अथवा नहीं? प्राधिकारी नोट करते हैं कि एसआई ग्रुप-इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात बाजार में उपलब्ध नहीं कराए गए थे, अतः उनका बाजार में कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों का प्रमुख उद्देश्य एसीटोन का व्यापार नहीं था और साक्ष्यों से यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि केवल निर्यात प्रयोजनों के लिए अभिप्रेत शुल्क छूट स्कीम के तहत आयातों की अनुमति दी गई थी। इसलिए, प्राधिकारी मानते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत एसआई ग्रुप द्वारा किए गए आयात उसे घरेलू उद्योग का एक भाग होने के लिए अपात्र नहीं बनाते हैं। यह भी तर्क दिया गया है कि जब कोई घरेलू उत्पादक संबद्ध वस्तु के विनिर्माण की अपनी क्षमता का उपयोग किए बिना संबद्ध देश से संबद्ध उत्पाद

का आयात करता है तो कुछ हद तक स्वयं द्वारा ही क्षति पहुँचाई गई होती है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में माँग एवं आपूर्ति में अंतराल है। किसी भी स्थिति में आपूर्ति एवं माँग में अंतराल को पूरा करने के लिए आयात होना था। तथापि, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत हास को शुल्क छूट स्कीम के तहत एसआई ग्रुप द्वारा किए गए आयातों के कारण नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि क्षति विश्लेषण का प्रयोजन घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच करना है। एक विनिर्माता और प्रमुख उत्पादक को अपने-आप ही बाहर करके इस प्रयोजन को पूरा नहीं किया जा सकता है, इसलिए प्राधिकारी इस जाँच के प्रयोजनार्थ एसआई ग्रुप को घरेलू उद्योग का एक भाग मानना जारी रखने का निर्णय लेते हैं।

12. यह कहा गया है कि क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयातों को छोड़ दिया जाना चाहिए। प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात बाजार में उपलब्ध नहीं थे, इसलिए बाजार में बिक्री कीमत उनसे प्रभावित नहीं हो सकती थी, तथापि प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि अन्य द्वारा किए गए आयातों से प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है और कीमत लाइन में परिवर्तन आता है क्योंकि आयातक उन निर्यातकों या उत्पादकों से वस्तु खरीदते हैं जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी होती है, अतः अन्य द्वारा किए गए आयातों से बाजार में कीमतों के प्रभावित न होने को नहीं माना जा सकता है। अतः, प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ सभी शुल्क-मुक्त आयातों को बाहर रखना उचित नहीं पाया है।

#### घ. अन्य मुद्दे

##### घ.1 मै0 मित्सुई एंड कं. लि. द्वारा किए गए निवेदन

13. एचओसीएल आवेदन प्रस्तुत करने के लिए एकमात्र पात्र उत्पादक, जाँच अवधि के भी पूर्व बीआईएफआर को सौंपी गई एक कम्पनी है। जैसा कि प्राधिकारी को ज्ञात होगा कि बीआईएफआर को मामले का संदर्भ दिए जाने का कारण यह तथ्य है कि निधि का पूर्ण क्षरण हो गया है अर्थात् संचयी घाटा शेयरधारकों की निधि से अधिक है। हम समझते हैं कि एसआईसीए के प्रावधानों के अनुसार बीआईएफआर द्वारा मामला सं. 501/2005 के माध्यम से एचओसीएल को एक रूग्ण औद्योगिक कम्पनी के रूप में बंजीकृत किया गया था। प्राधिकारी द्वारा बोर्ड द्वारा पारित आदेश सहित बीआईएफआर मामले से संबंधित सभी दस्तावेज/अभ्यावेदन मंगवाए जाने चाहिए। इस संबंध में एचओसीएल की वर्ष 2004-05 की वार्षिक रिपोर्ट की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसके संगत उद्धरण निम्नानुसार हैं :-

“आपकी कम्पनी को 1997-98 से 2003-04 तक घाटा हो रहा था और वित्त वर्ष 2003-04 के अंत तक निवल मूल्य के क्षरण के पश्चात उसे रूग्ण इकाई के रूप में बीआईएफआर को सौंपा गया था।”

14. इस तथ्य कि कम्पनी को बीआईएफआर को सौंपा गया था, से यह स्पष्ट हो जाता है कि कम्पनी का खसब निष्पादन उनकी अन्तर्निहित कठिनाइयों के कारण था जिन्हें सरकार की कई रिपोर्टों में स्वीकार किया गया है। यह भी नोट किया जाना महत्वपूर्ण है कि बीआईएफआर आवेदन भी एसीटोन के संबंध में पाटन हेतु आवेदन से पूर्व किया गया था। इन परिस्थितियों में यह प्रत्यक्ष है कि समस्याएं संबद्ध देशों से कथित पाटन के कारण नहीं है।

15. प्राधिकारी ने बीआईएफआर के अंतर्गत एचओसीएल के मुद्दे की जांच की है और नोट किया है कि आवेदक द्वारा बीआईएफआर के समक्ष प्रस्तुत किया गया कारण यह था कि “विदेशी विनिर्माताओं के उत्पादों के पाटन से मार्जिनों में अत्यधिक कटौती के परिणामस्वरूप घाटा होने के कारण कम्पनी की कोच्ची इकाई, जो कि लाभ कमाने वाली इकाई है, की बिक्रियों में वर्ष 2001-02 में घाटा हुआ।” प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कम्पनी की कोच्ची इकाई, जो मुख्य रूप से फेनॉल तथा एसीटोन का विनिर्माण करती है, को 2002-06 के दौरान लाभ हो रहा था तथापि वर्ष 2005-06 के दौरान लाभ में कमी आई थी। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कम्पनी की रसायनी इकाई को 2000-06 के दौरान घाटा हो रहा था।

16. प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद यह दर्शाया गया था कि बीआईएफआर का मामला 11.2.2005 को दर्ज किया गया था जिसमें एचओसीएल को रूग्ण कम्पनी घोषित करते हुए नवम्बर, 2005 में निर्णय दिया गया था। यह भी उल्लेख किया गया है कि उनकी रूग्णता के वास्तविक कारण अनुबंध में दिए गए हैं। कम्पनी की रूग्णता के कुछेक कारण अभ्यावेदन में भी दर्शाए गए हैं।

17. संगत अनुबंध के अवलोकन के बाद प्राधिकारी ने नोट किया है कि अनुबंध में उल्लिखित कारणों में से एक “अत्यधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन” है।

#### गोपनीयता

18. मै0 मित्सुई एंड कम्पनी लि0 ने यह कहा है कि घरेलू उद्योग ने आवेदन के संदर्भ में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। यह कहा गया है कि “इस बात का कोई कारण नहीं दिया गया है कि जिस सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा किया गया है और प्रत्यक्षतः उसकी अनुमति प्रदान की गई है, वह संक्षेपण के योग्य नहीं है। यह विरोध किया गया है कि प्रत्येक सूचना को केवल इस वजह से गोपनीय माना जाना अपेक्षित नहीं है कि जाँच की प्रक्रिया में पक्षकार द्वारा उसे निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया था। कम्पनी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गोपनीयता का दावा किए गए दस्तावेजों/पत्रों और कारणों सहित गोपनीयता प्रदान करने के प्राधिकारी के निर्णय की मांग की है ताकि वे उचित टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने की स्थिति में हों।”

19. प्राधिकारी ने इस मामले में उपभोक्ताओं, कीमत एवं लागत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि उसे प्रकट करने से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। घरेलू उद्योग की मात्रा (सभी उत्पादकों को एक साथ मिलाकर) से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है।

#### आवेदन में दी गई सूचना की पर्याप्ता एवं विशुद्धता

20. मै0 मित्सुई एंड कं0 लि0 ने यह मुद्दा उठाया है कि घरेलू उद्योग ने नौ महीनों के लिए सूचना प्रस्तुत की थी जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा चुनी गई जांच अवधि 12 महीने की है, इसलिए वह आँकड़े/सूचना जिनके आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच शुरू की थी, अपर्याप्त थी। यह भी कहा गया है कि द0 कोरिया का नाम उन देशों में से एक था जिनके विरुद्ध जांच की मांग की गई थी जबकि दक्षिण कोरिया के विरुद्ध जांच शुरू नहीं की गई है। यह विरोध किया गया है कि जांच अवधि तथा देशों में परिवर्तन से क्षति एवं पाटन विश्लेषण में परिवर्तन होगा, इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत जांच शुरू करने के लिए प्रस्तुत की गई सूचना अपर्याप्त थी।

21. प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद पुनः कहा गया है कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.1.3 के तहत दायित्व का उल्लंघन हुआ है। यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक आवेदन में केवल जाँच अवधि के नौ महीनों अर्थात् जून, 2005 से मार्च, 2006 के लिए आँकड़े दिए गए थे और याचिका की सूचना में कोरिया संबंधी सूचना भी शामिल थी। निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की समय-सीमा समाप्त होने के बाद हमें याचिका का अगोपनीय रूपान्तर (जो कि अपूर्ण भी था) प्रदान किया गया था, जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जाँच की शुरुआत करने के साथ ही सभी हितबद्ध पक्षकारों को याचिका का पूर्ण पाठ उपलब्ध कराना अपेक्षित है। ज्ञात निर्यातकों को पूर्ण याचिका उपलब्ध कराने में अनुचित विलम्ब से अनुच्छेद 6.1.3 के तहत भारत के दायित्व का उल्लंघन हुआ है।

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नौ महीनों के लिए सूचना के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था और प्रस्तावित जाँच अवधि नौ महीनों की थी। प्राधिकारी ने क्षति एवं पाटन के साक्ष्यों की जाँच करने के बाद जाँच शुरू करने का निर्णय लिया। तथापि, चक्रीय परिवर्तनों, यदि कोई हों, के प्रभाव को जानने के लिए प्राधिकारी ने जाँच अवधि को बढ़ाकर 12 महीने कर दिया। प्राधिकारी मानते हैं कि प्रस्तुत सूचना की पर्याप्तता एवं विशुद्धता की जाँच करने के बाद उचित रूप से जाँच प्रारंभ की गई थी। घरेलू उद्योग से अद्यतन सूचना मांगी गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए उसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। दक्षिण कोरिया के विरुद्ध पाटन के आरोपों के संबंध में प्राधिकारी ने पाया कि नौ महीनों के आँकड़ों से ऐसे आयात प्रदर्शित नहीं हुए जिन्हें उस देश के विरुद्ध जाँच शुरू करने के लिए पर्याप्त माना जाए, इसलिए कोरिया आरओके के विरुद्ध जाँच शुरू नहीं की गई थी। यह नोट किया गया है कि 12 महीनों के लिए आँकड़े प्राप्त होने पर कोरिया आरओके के विरुद्ध जाँच शुरू नहीं की गई थी क्योंकि आँकड़ों से आयातों के न्यूनतम से अधिक होने का संकेत मिला था।

23. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.1.3 के उल्लंघन के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिस आवेदन के आधार पर जाँच शुरू की गई है, उसे उपलब्ध कराने का दायित्व होता है। ज्ञात निर्यातकों एवं संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन विधिवत अग्रेषित किया गया है। इसके अतिरिक्त, सूचना एवं दस्तावेजों को सार्वजनिक फाइल में रखकर उन्हें उपलब्ध रखा गया था। इस संबंध में जाँच शुरुआत अधिसूचना में इस आशय की सूचना दी गई थी कि आगे की सूचना सार्वजनिक फाइल में रखी जाएगी और हितबद्ध पक्षकारों को उसका निरीक्षण करने का अधिकार है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि अनुच्छेद 6.1.3 का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है और दायित्व को पूरा किया गया है।

#### ड. पाटन मार्जिन के परिकलन हेतु प्रणाली

##### ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

**मै0 मित्सुई एंड कं0 लि0 द्वारा किए गए अभ्यावेदन**

24. यह कहा गया है कि विश्व के किसी भी भाग में एसीटोन की कीमतों का निर्धारण उसकी लागत के आधार पर नहीं किया जाता है। फेनॉल तथा एसीटोन दोनों सह-उत्पाद या संयुक्त उत्पाद हैं। उत्पादन सुविधा मुख्य रूप से फेनॉल के उत्पादन के लिए है और एसीटोन का उत्पादन प्रौद्योगिकीय कारणों से किया जाता है। अतः विश्व भर में जहाँ फेनॉल-एसीटोन का विनिर्माण होता है, फेनॉल की बिक्री के लिए अपनी लागत प्राप्त करना अपेक्षित होता है। एसीटोन की कीमत निर्धारण लागत आधारित नहीं होता है, जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा बताया गया है कि यह आम जानकारी है कि एसीटोन की कीमतें केवल कच्ची सामग्री अर्थात् बेन्जीन (बीजेड) + प्रॉपीलीन (सी 3) कीमतों पर निर्धारित नहीं

होती हैं बल्कि एसीटोन की मांग/आपूर्ति के साथ-साथ फेनॉल की अंतिम बिक्री कीमत पर भी निर्धारित की जाती हैं। दूसरे शब्दों में, एसीटोन की कीमतें एसीटोन की कीमत द्वारा शासित नहीं होती हैं। अपरिहार्य तथ्य यह है कि एसीटोन की कीमतें लागतों पर दीर्घावधि में भी ध्यान दिए बिना मांग एवं आपूर्ति की सामान्य शक्तियों द्वारा निर्धारित की जाती हैं। यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग ने इस बात की सही तस्वीर प्रकट नहीं की है कि भारत में या विश्व में कहीं भी, एसीटोन की कीमतें किस प्रकार निर्धारित की जाती हैं।

## ड.2 मै0 सासोल सॉल्वेंट्स, दक्षिण अफ्रीका द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर

25. निर्यातक ने कहा है कि भारत में बिक्री किया गया उत्पाद घरेलू बाजार में बिक्री किए गए उत्पाद के समान है।

## ड.3 मै0 डो केमिकल्स कम्पनी, अमेरिका का उत्तर

26. कम्पनी ने सूचित किया है कि जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात नहीं किया गया है, तथापि उन्होंने जांच में भाग लेने की इच्छा प्रकट की है। कम्पनी ने अनुरोध किया है कि उसे हितबद्ध पक्षकार माना जाए।

## ड.4 अमेरिका

### अमेरिका के लिए सामान्य मूल्य

27. किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत अधिसूचना का उत्तर तथा कोई सूचना नहीं दी है। आंकड़ों की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है। इस प्रयोजनार्थ, जांच अवधि के लिए आरसीआईएसएलओआर (यूएस गल्फ) में सूचित औसत कीमत को सामान्य मूल्य के रूप में लिया गया है। कारखाना-द्वार कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय भाड़ा तथा बीमा के लिए उचित समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर बल्क सामग्री हेतु \*\*\*\* अम0 डा0 पीएमटी औसत सामान्य मूल्य परिकलित किया गया है।

## असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

28. कारखाना द्वारा निर्यात कीमत परिकलित करने के लिए अमेरिका से निर्यातों के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। कारखाना-द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए 80 अम.डॉ. प्रति टन की दर से समुद्री भाड़ा, 0.25% की दर से समुद्री बीमा, 1% की दर से कमीशन, 1% की दर से अंतर्देशीय भाड़ा, 0.5% की दर से पत्तनों संबंधी व्यय, 0.5% की दर से बैंक प्रभार और 90 दिनों के ऋण के लिए 4.50% की दर से ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपना कर बल्क सामग्री के लिए \*\*\*\* अम.डा. कारखाना द्वारा निर्यात कीमत परिकलित की गई है।

## ड.5 यूरोपीय संघ

### यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य

29. यूरोपीय संघ के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है। आंकड़ों की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है। इस प्रयोजनार्थ, जांच अवधि के लिए



आरसीआईएसएलओआर (यूएस गल्फ) में सूचित औसत कीमत को सामान्य मूल्य के रूप में लिया गया है। कारखाना द्वारा कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय भाड़ा तथा बीमा के लिए उचित समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर बल्क सामग्री हेतु \*\*\*\* अम.डॉ. पीएमटी औसत सामान्य मूल्य परिकलित किया गया है। पैक की हुई सामग्री के लिए पैकिंग की लागत जोड़ी गई है और सामान्य मूल्य \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन परिकलित किया गया है।

### असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

30. कारखाना द्वारा निर्यात कीमत निकालने के लिए यूरोपीय संघ से निर्यातों के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत निकालने के लिए \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति टन की दर से समुद्री भाड़ा, 0.25% की दर से समुद्री बीमा, 1% की दर से कमीशन, 1% की दर अंतर्देशीय भाड़ा, 0.5% की दर से पत्तनों संबंधी व्यय, 0.5% की दर से बैंक प्रभार और 90 दिनों के ऋण के लिए 4.50% की दर से ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपना कर बल्क सामग्री के लिए \*\*\*\* अम.डॉ. कारखाना द्वारा निर्यात कीमत परिकलित की गई है। पैक की हुई सामग्री के लिए कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन परिकलित की गई है।

### ड.6 सिंगापुर

31. सिंगापुर के एक निर्यातक मै0 मित्सुई एंड कं0लि0 ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है और आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। यह सूचित किया गया है कि मै0 मित्सुई एंड कं0लि0 उत्पादक नहीं है। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित एसीटोन का उत्पादन मै0 मित्सुई फेनॉल सिंगापुर पीटीई लि0 द्वारा किया गया है। जांच में संबंधित उत्पादक ने कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उत्पादक के उत्पादन लागत की जांच यह जानने के लिए की जानी है कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 2 के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बिक्री की गई है। उत्पादक से सूचना की अनुपस्थिति में यह जांच संभव नहीं है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू बिक्री के संबंध में उपलब्ध कराई गई सूचना पर विश्वास नहीं किया है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

### मै0 सुमितोमो कॉर्पो0, सिंगापुर एवं मै0 पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, यूएई

33. यह निवेदन किया गया है कि मै0 सुमितोमो कॉर्पो0 द्वारा वस्तु का उत्पादन नहीं किया जाता है तथापि वे भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करते हैं। यह भी कहा गया है कि वस्तुएँ सिंगापुर से सीधे भारत को भेजी जाती हैं, तथापि मै0 सुमितोमो कॉर्पो0 द्वारा मै0 पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, यूएई को बीजक जारी किए जाते हैं और मै0 पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट द्वारा भारतीय ग्राहकों को बीजक जारी किए जाते हैं। चूंकि उत्पादक की उत्पादन लागत उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

### सिंगापुर के लिए सामान्य मूल्य

34. आईसीआईएस एलओआर में सूचित एसीटोन की कीमतें एशिया के लिए हैं जिन्हें किसी विशेष देश के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। अतः उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है। सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए बेन्जीन की कीमत डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों से और प्रोपीलीन की कीमत आईसीआईसीएस एलओआर एशिया से ली गई है। घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक तथा एसआईओएन के खपत संबंधी मापदंडों पर विचार किया गया है। विद्युत को छोड़कर, जिसके लिए दरें निर्यातक देश में विद्युत की दर की उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई हैं, अनुप्रयोगों के लिए घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक के खपत संबंधी मापदंड और कीमतों को लिखा गया है। घरेलू उद्योग के कुशल उत्पाद की परिवर्तन लागत के अनुसार परिवर्तन लागत की गई है। ब्याज सहित एसजीए की निर्यातक देश के प्रमुख उत्पादक की वार्षिक रिपोर्ट से लिया गया है। उत्पादन लागत पर 5% की दरें से लाभ लिया गया है। इस प्रणाली को अपनाकर बल्क सामग्री के लिए परिकलित सामान्य मूल्य \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन है। पैक की हुई सामग्री के सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक की पैकिंग सामग्री की लागत जोड़ी गई है। इस पद्धति से पैक की हुई सामग्री के लिए सामान्य मूल्य \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन परिकलित हुआ है।

### निर्यात कीमत

#### मैसर्स मित्सुई एण्ड कं०

35. निर्यात कीमत की गणना करने के लिए इस कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात संबंधी सौदे-वार आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। बिक्री कीमत, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, ऋण लागत के संबंध में सत्यापित सूचना पर विश्वास किया गया है। बल्क सामग्री हेतु \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मि. टन की कारखाना-द्वार कीमत निकालने के लिए \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मि. टन की दर से समुद्री भाड़ा \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मि. टन समुद्री बीमा तथा \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन की दर से ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है।

#### मै० सुमिटोमो कारपोरेशन, सिंगापुर

36. निर्यात कीमत की गणना करने के लिए इस कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात संबंधी सौदे-वार आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। बिक्री केवल थोक सामग्री के लिए ही की गई है। बिक्री कीमत, समुद्री भाड़ा ऋण लागत के संबंध में मै० सुमिटोमो कार्पो० द्वारा प्रदत्त सूचना पर विश्वास किया गया है। थोक सामग्री हेतु \*\*\* अम० डॉ० प्रति मी. टन की दर से समुद्री भाड़ा तथा \*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन की दर से ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है।

### असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

37. निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए सिंगापुर से निर्यातों के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों से सौदे-वार ब्यौरे के आधार पर बल्क सामग्री के लिए निर्यात कीमत \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मि. टन ली गई है। पैक की हुई सामग्री के लिए निर्यात कीमत \*\*\*\* अम. डॉ. प्रति मी. टन ली गई है। कारखाना-द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार समुद्री भाड़ा, बीमा तथा अन्य प्रभारों

के लिए समयोजन किया गया है। उपर्युक्त प्रणाली को अपनाकर बल्क सामग्री के लिए निवल निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी. टन और पैक की हुई सामग्री के लिए \*\*\*\* अम.डॉ.0 मि. टन परिकलित की गई है।

### ड.7 दक्षिण अफ्रीका

#### मै0 सासोल सॉल्वेंट्स

38. निर्यातक ने प्रारंभिक अधिसूचना का उत्तर दिया है और निर्यात एवं घरेलू बिक्री के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है।

#### दक्षिण अफ्रीका हेतु सामान्य मूल्य

39. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए घरेलू बिक्री के सौदावार ब्यौरों पर विश्वास किया गया है। “अन्य मदों हेतु समायोजित” शीर्ष के तहत व्ययों की अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि इस समायोजन हेतु कोई स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कक्षाया गया है। ऋणात्मक कीमतें दर्शाने वाले सौदों पर भी सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ विचार नहीं किया गया है। सत्यापन के अध्यक्षीन निर्यातकों द्वारा दावा किए गए सभी अन्य खर्चों को भी भारित औसत सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ समायोजित किया गया है। बल्क एवं पैकड उत्पादों की बिक्री से संबंधित सौदों को अलग-अलग किया गया है। इस पद्धति को अपनाते हुए, बल्क उत्पाद हेतु \*\*\*\* अम0डॉ0 मी0 टन तथा पैकड उत्पादों हेतु \*\*\*\* अम.डॉ. मी0 टन सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है।

#### मै0 सासोल सॉल्वेंट्स हेतु निर्यात कीमत

40. निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए बल्क एवं पैकड उत्पादों हेतु सौदेवार ब्यौरों को अलग-अलग किया गया था। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत परिगणित करने के लिए निर्यातक द्वारा दावा किए गए व्ययों को समायोजित किया गया है। इस पद्धति को अपनाते हुए बल्क के लिए \*\*\*\* अम0 डॉ0 मी0 टन तथा पैकड सामग्री के लिए \*\*\*\* अम0डॉ0 प्रति मी0 टन भारित औसत कीमत का परिकलन किया गया है।

#### असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

41. निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए दक्षिण अफ्रीका से निर्यातों के संबंध में डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। सौदेवार डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों के आधार पर बल्क के लिए निर्यात कीमत \*\*\*\* अम0डॉ0 मी0 टन रखी गई है। पैकड सामग्री के लिए निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी0 टन मानी गई है। बल्क उत्पाद के लिए कारखाना द्वार निर्यात का निर्धारण करने के लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा यथासूचित समुद्री भाड़े बीमा तथा अन्य प्रभारों में \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी0 टन की दर पर समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाते हुए बल्क सामग्री के लिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\*\* अम0डॉ0 प्रति मी0 टन परिकलित की गई है। पैकड सामग्र के लिए \*\*\*\* अम0डॉ0 प्रति मी0 टन कारखाना द्वार निर्यात कीमत का परिकलन किया गया है।

### ड.8 चीनी ताइपेई

#### चीनी ताइपेई हेतु सामान्य मूल्य

42. चीनी ताइपेई हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण दोनों निर्यातकों अर्थात् मै0 फॉरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी) तथा मै0 ताईवान प्रास्पेरिटी केमिकल कारपोरेशन (टीपीसीसी) द्वारा

उपलब्ध कराए गए सौदेवार ब्यौरों के आधार पर किया गया है। निर्यातक के आंकड़ों का सत्यापन किया गया है। टीपीसीसी के संबंध में सही किए गए तथा सत्यापित आंकड़ों एवं सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए व्यापार के सामान्य दौर में की गई बिक्री पर विश्वास किया गया है। एफसीएफसी ने सत्यापन के दौरान यह बताया था कि संबद्ध पक्षकारों को बिक्री, गैर-संबद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियों की तुलना में निबन्धनों और शर्तों पर की गई है। संबद्ध पक्षकारों को बिक्री कुल बिक्री का प्रमुख हिस्सा बनाती है। यह भी कहा गया है कि संबद्ध तथा गैर-संबद्ध बिक्रियों के बीच कीमत में अन्तर, बिक्री की मात्रा में अंतर की वजह से था। इस संबंध में गैर-संबद्ध पक्षकारों को किए गए एक बिक्री सौदे की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है जिसमें बिक्री कीमतें अन्य गैर-संबद्ध पक्षकारों की तुलना में तुलनीय औसत कीमतों से कमतर थीं। बल्कि संबद्ध पक्षकारों की बिक्रियों से भी कमतर थीं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय विवरण तथा कम्पनी की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर भी ध्यान आकर्षित किया गया है जिनमें “संबद्ध पक्षकारों के साथ उल्लेखनीय सौदे” शीर्षक के अन्तर्गत यह कहा गया है कि “संबद्ध पक्षकारों साथ खरीदी कीमत तथा भुगतान की शर्तें गैर-संबद्ध पक्षकारों की शर्तों से अलग नहीं है।”

43. चीनी टाइपेई हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण, दोनों निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार ब्यौरों के आधार पर किया गया है। मै0 फार्मोसी केमिकल्स द्वारा संबद्ध घरेलू बिक्री पर विचार नहीं किया गया है। क्योंकि संबद्ध और गैर-संबद्ध पक्षकारों की बिक्री कीमतों में काफी अंतर है। सत्यापन के दौरान यह कहा गया था कि संबद्ध तथा गैर-संबद्ध पक्षकारों की कीमतों में अंतर, संबद्धता के कारण नहीं है बल्कि यह उनकी कीमत संबंधी नीति की वजह से है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक की प्रश्नावली के मूल प्रत्युत्तर में कीमत संबंधी नीति के बारे में ऐसा कोई उल्लेख नहीं किया गया है। (प्रकटन विवरण पर की गई टिप्पणियों में भी, कीमत संबंधी नीति से संबंधित सभी अभ्यावेदनों के “गोपनीय” बनाया गया है। इस संबंध में, संबद्ध तथा गैर-संबद्ध पक्षकारों की कीमतों के बीच तुलना की गई है। प्राधिकारी ने तुलना की जांच की है तथा नोट करते हैं कि संबद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियाँ समतुल्य कीमतों पर की गई थीं। संबद्ध पक्षकारों की माह-वार कीमतें समान थीं जबकि गैर-संबद्ध पक्षकार की बिक्री कीमत अलग कीमत पर की गई थीं। खरीद कीमत से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट के विवरण के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सही नहीं है क्योंकि संबद्ध तथा गैर-संबद्ध पक्षकारों को की गई बिक्री को व्यापार के सामान्य दौर में नहीं की गई बिक्री के रूप में मानकर अस्वीकृत करने का निर्णय लेते हैं तथा उन्होंने गैर-संबद्ध पक्षकार को की गई बिक्री पर सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ विचार किया है। भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए निर्यातकों द्वारा दावा किए गए खर्चों में समायोजन किया गया है। घरेलू बिक्री केवल बल्क उत्पाद से संबंधित है, जिसके लिए सामान्य मूल्य का परिकलन \*\*\*\* अम.डा. प्रति मी0टन के रूप में किया गया है। पैकड उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातित उत्पाद की बल्क एवं पैकड उत्पादों के बीच के अंतर को जोड़कर किया गया है। इस पद्धति से पैकड उत्पाद के लिए \*\*\*\* अम.डा. प्रति मी. टन सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

#### निर्यात कीमत

##### मै0 फार्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कॉरपोरेशन

44. निर्यातक ने भारत को केवल बल्क बिक्रियाँ ही की है अतः बल्क उत्पाद हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यातक के सत्यापित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। निर्यातक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को अनुमति दे दी गई है। बल्क

सामग्री हेतु कारखाना द्वार निर्यात कीमत का परिकलन \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी० टन के रूप में किया गया है।

#### मै० ताईवान प्रोस्पेरिटी केमिकल्स कॉरपोरेशन

45. निर्यातक ने भारत को बल्क एवं पैक्ड उत्पाद दोनों की बिक्री की है। निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यातक के सत्यापित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। बल्क एवं पैक्ड सामग्री की निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यात सौदों को पृथक किया गया है। निर्यातक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों की अनुमति दी गई है। बल्क सामग्री तथा पैक्ड सामग्री के लिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत क्रमशः \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी० टन तथा \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी० टन परिकलित की गई है।

#### असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

46. असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए डीजीसीआईएस के आंकड़ों में सूचित एक सौदे पर विश्वास किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए सहयोगी निर्यातक के व्यय संबंधी दावों को समायोजित किया गया है। बल्क सामग्री तथा पैक्ड सामग्री के लिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत क्रमशः \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति मी० टन परिकलित की गई है।

#### ड.९ पाटन मार्जिन

47. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमतों के आधार पर सहयोगी एवं असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दी गई तालिका के अनुसार किया गया है :-

निर्यातक/उत्पाद	सामान्य मूल्य बल्क (अम.डॉ.)	सामान्य मूल्य पैक्ड (अम.डॉ.)	निर्यात कीमत बल्क (अम.डॉ.)	निर्यात कीमत पैक्ड (अम.डॉ.)	पाटन मार्जिन बल्क (अम.डॉ.)	पाटन मार्जिन पैक्ड (अम.डॉ.)	पाटन मार्जिन भरित औसत (अम.डॉ.)
सिंगापुर							
मै० मितसुई एंड कं.लि.	***		***		***		*** 52.52%
मै० सुमिटोमो कारपोरेशन एंड मै० पेट्रोकेम मिडल ईस्ट, यूएई	***		***		***		*** 47.84%
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	***	***	*** 65.38%
दक्षिण अफ्रीका							
मै० सासोल साल्वेंट्स	***	***	***	***	***	***	*** 24.50%
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	***	***	*** 35.68%
चीनी ताइपेई							
मै० फार्मासा केमिकल्स	***		***		***		*** 14.43%
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	***	***	***

							13.84%
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	***	***	***
							38.78%
अमरिका							
असहयोगी निर्यातक	***		***		***		***
							80.57
यूरोपीय संघ							
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	***	***	***
							86.83%

इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त है और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

च. क्षति निर्धारण की पद्धति और कारणात्मक संबंधों की जांच

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

48. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार है :-

(क) वर्ष 2004-05 तक उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित करने के पश्चात घरेलू उद्योग की बिक्री में अत्यधिक गिरावट आई थी। देखा गया था कि घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट की तुलना में आयात मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई। आयात मात्रा, आयात कीमत, बिक्री मात्रा तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के बीच सीधा संबंध है। पाटित कीमतों पर सामग्री की उपलब्धता के कारण आयात मात्रा में वृद्धि हुई थी जिसके कारण घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई थी।

(ख) लाभ:- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है। यहां तक कि घरेलू उद्योग द्वारा अपने बाजार को कायम रखने के प्रयास का भी लाभ के संदर्भ में अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था, और लाभ की स्थिति, वित्तीय हानि की स्थिति में बदल गई थी। यदि तिमाही दर आधार पर घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की जाए तो भी प्रत्येक तिमाही में निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है।

(ग) यह उल्लेख करना उचित होगा कि ब्याज लागतों में अत्यधिक कमी के बावजूद लाभ में अत्यधिक गिरावट आई थी। दूसरे शब्दों में, यद्यपि ब्याज लागतों में कमी के कारण लाभ में सुधार होना चाहिए था तथापि उसमें काफी कमी आई है। घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में कमी हुई है।

(घ) उत्पादकता:- घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है। याचिकाकर्ताओं ने निवेदन किया है कि पाटन का प्रभाव इतना प्रतिकूल है कि इससे उत्पादन प्रक्रिया की विशिष्ट प्रकृति के बावजूद घरेलू उद्योग की उत्पादकता को भी क्षति पहुँची है। उत्पाद का कोई भी उत्पादक, उत्पादन में वृद्धि करना चाहेगा। इस प्रकार के उद्योग में उत्पादन प्रतिबंध/स्थगन विरल है। तथापि पाटन का प्रभाव इतना अधिक प्रतिकूल है कि घरेलू उद्योग को उत्पादन में कटौती करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

(च) उत्पादन और क्षमता उपयोग:- घरेलू उद्योग ने संबद्ध उत्पादों के उत्पादन की अपनी क्षमता को कायम रखा है। तथापि, पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर अत्यधिक दबाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने उत्पादन में कटौती का रास्ता अपनाया जिसके कारण क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(छ) इस तथ्य के बावजूद घरेलू उद्योग ने इष्टतम से कम कीमतों को प्रस्तुत करने का निर्णय लिया था, घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(ज) वस्तु सूची:- घरेलू उद्योग की वस्तु सूची के स्तर में वृद्धि हुई है। वस्तु सूची में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित निम्न कीमतों के बावजूद हुई है। यद्यपि घरेलू उद्योग के पास 3 दिनों की बिक्री के बराबर वस्तु सूची उपलब्ध थी तथापि प्रस्तावित जांच अवधि में यह बढ़कर 17 दिनों से अधिक हो गई है।

(झ) वेतन एवं मजदूरी:- घरेलू उद्योग के वेतन एवं मजदूरी में वृद्धि हुई है।

(ट) नकद लाभ:- घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट से घरेलू उद्योग के नकद लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप नकदी प्रवाह प्रभावित हुआ। याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद से नकद लाभ तथा समग्र रूप से कम्पनी के नकद प्रवाह का निर्धारण किया है।

(ठ) मांग एवं बाजार हिस्सा:- यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

(ड.) वृद्धि:- अनेक मापदंडों में घरेलू उद्योग की वृद्धि में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

49. अतः यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग मात्रात्मक प्रभाव और कीमत प्रभाव के अंतर्हीन चक्र में फंसा हुआ है। सर्वप्रथम विदेशी उत्पादकों की अधिशेष क्षमता के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री एवं बाजार हिस्से में हानि से क्षति हुई। इसके परिणामस्वरूप मात्रात्मक प्रभाव प्रतिकूल हो गया। बिक्री में इस घाटे से घरेलू उद्योग अपनी घरेलू बिक्री कीमत को कम करने के लिए बाध्य हो गया ताकि घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पाद बिक्री की जा सके। इसके परिणामस्वरूप कीमत प्रभाव भी प्रतिकूल हो गया। निर्यातक ने बिक्री कीमत में और अधिक कटौती की। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमतें और अधिक घटा दी और यह प्रक्रिया इसी प्रकार चलती रही। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमतें और अधिक घटा दी और यह प्रक्रिया इसी प्रकार चलती रही। परिणामतः घरेलू उद्योग को निर्यातक देशों के विकृतिकारी एवं अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव तथा प्रतिकूल कीमत प्रभाव का सामना करना पड़ा था।

### वास्तविक क्षति का खतरा

50. घरेलू उद्योग को पहले से हसवे ही वास्तविक क्षति के अलावा संबद्ध देशों से आयातों के कारण भी घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा है।

51. आयात मात्रा में समग्र अर्थों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जैसा कि संलग्न प्रपत्र से स्पष्ट है और जैसा कि आयात मात्रा में वृद्धि से देखा जा सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनी सामग्री इष्टतम से कम

कीमतों पर बेचने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद आयातों में यह वृद्धि हुई है। यदि घरेलू उद्योग ने कम कीमत का प्रस्ताव देकर इस वृद्धि को कम नहीं किया होता तो आयातों में वृद्धि और अधिक होती।

52. जैसा कि संलग्न प्रपत्र से स्पष्ट है कीमतें कटौती बहुत अधिक है। किसी भी समय तथा मिलती-जुलती कीमतों के प्रस्ताव के बावजूद घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच कीमत में वास्तविक अंतर है। अंतर्ग्रस्त उत्पाद की प्रकृति को देखते हुए घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच किसी प्रकार का कीमत अंतर उपभोक्ताओं को स्वीकार्य नहीं है और घरेलू उद्योग, कीमत कटौती हेतु निरंतर दबाव में है। यह नोट किया जा सकता है कि यह ऐसा उत्पाद नहीं है जिसे घरेलू उद्योग आयातित कीमतों से काफी अधिक कीमतों पर खरीद सकता हो। घरेलू उद्योग के पास विकल्प नहीं है। अतः यह नोट किया जा सकता है कि इस प्रकार के उत्पाद में कम कीमत अंतर भी तथ्यतः काफी बड़ा महत्वपूर्ण होता है।

53. संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमताएं उसकी घरेलू मांग से काफी अधिक है। तथ्यतः इन उत्पादकों के पास अधिशेष क्षमता होती है। ताईवान, कोरिया और अमरीका में क्षमताएं क्रमशः 300000 मी. टन 100000 मी. टन तथा 3175000 मी. टन है जो उनके अपने बाजारों में खपत से कहीं अधिक है। चीन में बेशी क्षमता के कारण उत्पादकों को अपनी कीमतें घटाने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

54. जहाँ घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में अत्यधिक कमी के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पाद की वस्तु सूचियों में वृद्धि प्रदर्शित हो रही है। वहीं याचिकाकर्ता इस बात को समझते हैं कि संबद्ध देशों में उत्पादकों के पास उच्च वस्तुसूचियां होती है। तथ्यपि, इस संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है और प्राधिकारी से संगत सूचना मंगवाने का अनुरोध किया गया है।

55. याचिकाकर्ता ने संपूर्ण विश्व को संबद्ध देशों के निर्यातों का विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया था। घरेलू उद्योग पर उसके संभावित प्रभाव के संदर्भ में यह विश्लेषण चकित करने वाला है। संबद्ध देशों के वैश्विक निर्यातों से वृद्धिकारी प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है जिससे स्पष्ट रूप से यह संकेत मिलता है कि विदेशी उत्पादकों के पास/बेशी अप्रयुक्त क्षमताएं हैं।

## च.2 सहयोगी निर्यातकों तथा आयातकों द्वारा उठाए गए मुद्दे

### शुल्क छूट स्कीम के अन्तर्गत किए गए आयात

56. यह कहा गया है कि शुल्क छूट स्कीम के अन्तर्गत किए गए आयातों को क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ हटा देना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अन्तर्गत किए गए आयात प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करते हैं तथा कीमत लाइन को परिवर्तित करते हैं जब आयातक सामग्री की खरीद निर्यातकों अथवा उत्पादकों से करें, जो भी उन्हें प्रतिस्पर्धी कीमत दे, अतः यह नहीं माना जा सकता कि शुल्क छूट स्कीम के अन्तर्गत किए गए आयातों से बाजार में कीमतें प्रभावित हुईं। अतः प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ सभी शुल्क मुक्त आयातों को हटाने की बात को तर्कसंगत नहीं पाया है।



### हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि० (एचओसीएल) का रूग्ण कम्पनी संबंधी मुद्दा

57. यह कहा गया है कि एचओसीएल को रूग्ण कम्पनी के रूप में घोषित किया गया है तथा रूग्णता के मूल कारण कम्पनी द्वारा मुहैया कराए गए अनुबंध में दिए गए हैं जब एसआईसीए (सीका) 1985 के अन्तर्गत रूग्णता की घोषणा के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच कर चुके हैं और उन्होंने नोट किया है कि संबंधित अनुबंध में दर्शाए गए कारण समग्र रूप से कम्पनी के लिए थे। प्राधिकारी ने यह पहले ही नोट किया है कि फिर्नाल और एसीटोन के उत्पादन से संबंधित इकाई 2002 से 2006 के दौरान लाभ कमा रही थी, तथापि, इस लाभ में 2005-06 के दौरान पर्याप्त रूप से कमी आई। इसके अतिरिक्त, अनुबंध में दर्शाए गए कारणों में से एक कारण “कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा जिसके फलस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ” है, अतः प्राधिकारी मानते हैं कि सीका के अंतर्गत रूग्ण कम्पनी के रूप में कम्पनी की घोषणा इसे पाटनरोधी जांच के अन्तर्गत राहत पाने के लिए अनर्ह नहीं ठहराती।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### च.3 क्षति का संचयी आकलन

58. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह प्रावधान है कि यदि उत्पाद का आयात से अधिक देशों के साथ-साथ चल रही पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन है तब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा यदि यह निर्धारित होता है कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन-निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में यथाव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां आयात संचयी रूप से समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक का बनता है और; आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उचित है। प्राधिकारी पाते हैं कि प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन 2% से अधिक है तथा प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा भी 3 प्रतिशत से अधिक है।

59. आयातित उत्पादों के बीच तथा आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों का मूल्यांकन करने की दृष्टि से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के तहत किया गया है;
- (ii) प्राधिकारी पाते हैं कि आयातित संबद्ध वस्तु, घरेलू तौर उत्पादित एसीटोन के स्थान पर वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है;

(iii) प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से इस बात का पर्याप्त संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात समान बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, चूँकि ये मिलते-जुलते उत्पाद हैं।

60. अतः प्राधिकारी आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान उत्पादों पर संबद्ध वस्तुओं के आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित समझते हैं।

61. प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों के निवेदनों में उनके द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है।

62. पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों के इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की निष्पक्ष जांच का प्रावधान है। प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयात में समग्र रूप से अथवा आयातक सदस्य में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या आयातक देश में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आई है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक कम करना है अथवा ऐसी मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती।

63. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने क्षति की मौजूदगी और क्षति और पाटन के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के संचयी प्रभाव तथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है।

64. चूँकि संबद्ध देशों से निर्यातों हेतु सकारात्मक पाटन मार्जिनों का निर्धारण कर लिया गया है अतः संबद्ध देशों से समग्र निर्यातों को क्षति विश्लेषण और कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है।

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव।

65. प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदे-वार ब्यौरे प्राप्त किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, ईयू, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, चीनी ताइपेई, अमरीका का हिस्सा क्रमशः 25.7%, 14.67%, 17.53%, 16.22% तथा 9.57% है। संबद्ध देशों से आयात पृथक्-पृथक् रूप से न्यूनतम स्तर से अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 89.55% था जो वर्ष 2005-06 में घटकर 91.05% और जांच अवधि में 87.68% होने से पूर्व वर्ष 2004-05 में बढ़कर 94.06% हो गया। प्राधिकारी ने पाया कि अन्य देशों से हुए आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 10.45% था जो वर्ष 2004-05 में घटकर 5.94% हो गया और वर्ष 2005-06 में बढ़कर 8.95% तथा जांच अवधि में 12.32% हो गया। रुझानों से पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात अन्य देशों के आयातों से प्रतिस्पर्धा

का सामना कर रहे थे। प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि घरेलू उद्योग के अनुरोध पर रूस तथा कोरिया, आरओके से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच पहले ही शुरू की जा चुकी है।

(i) आयात मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

आयात	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
		मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
		मी. टन	मी. टन	मी. टन	मी. टन
इयू	मी. टन	9125	12884	19591	17068
दक्षिण अफ्रीका	मी. टन	9487	7639	9779	9737
सिंगापुर	मी. टन	500	4227	10264	11638
ताइवान	मी. टन	81	2733	12718	10766
अमरीका	मी. टन	2564	437	4257	6353
अन्य देश	मी. टन	2539	1762	5567	7809
संबद्ध देश	मी. टन	21757	27920	56609	55562
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128.3265	260	255
कुल आयात	मी. टन	24295	29682	62175	63371
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	256	261
आयातों का बाजार हिस्सा					
इयू	%	37.56	43.41	31.51	26.93
दक्षिण अफ्रीका	%	39.05	25.74	15.73	15.36
सिंगापुर	%	2.06	14.24	16.51	18.36
ताइवान	%	0.33	9.21	20.45	16.99
अमरीका	%	10.55	1.47	6.85	10.03
अन्य देश	%	10.45	5.94	8.95	12.32
संबद्ध देश	%	89.55	94.06	91.05	87.68
		100.00	100.00	100.00	100.00

ii) मॉग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

(क) मॉग में वृद्धि

आबद्ध खपत सहित मॉग में वृद्धि

मॉग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
कुल आयात	मी. टन/लाख	24295	29682	62175	63371
कुल मॉग	मी. टन/लाख	70931	81250	99926	101685
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	141	143

**आबद्ध खपत को छोड़कर माँग में वृद्धि**

माँग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50122	36134	37256
कुल आयात	मी.टन/लाख	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी.टन/लाख	65701	79804	98310	100627
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	150	153

66. संबद्ध वस्तुओं की माँग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों (आबद्ध खपत सहित) तथा सभी देशों से सभी आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों के अनुसार प्रवृत्ति से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध वस्तु की माँग में आधार वर्ष से जाँच अवधि तक वृद्धि हुई है। यह आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 की तुलना में बढ़कर जाँच अवधि में 43% हो गई।

67. आबद्ध बिक्रियों को छोड़कर संबद्ध वस्तुओं की माँग में वृद्धि में भी यही प्रवृत्ति देखी जाती है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में यह बढ़कर 53% हो गई है।

**ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन**

क्षमता	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	मी. टन	45500	45500	45500	45500	45500
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100	100
क्षमता उपयोग						
घरेलू उद्योग	%	102	114	80	85	91
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	79	83	90
उत्पादन						
घरेलू उद्योग	मी. टन	46422	52036	36477	38736	46569
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	79	83	90

68. क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग पर घरेलू उद्योग के आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता 2003-04 के दौरान 45500 मी. टन थी तथा इसमें जाँच अवधि के दौरान कोई बदलाव नहीं आया था। संबद्ध वस्तु का उत्पादन 2003-04 के दौरान 46422 मी. टन था तथा 2004-05 में इसमें वृद्धि होने के बाद यह 2005-06 में गिरकर 36477 मी. टन हो गया था तथा जाँच अवधि के दौरान यह 38736 मी. टन था। प्रवृत्ति दर्शाती है कि उत्पादन में 2004-05 में 12% की वृद्धि हुई तथा जाँच अवधि के दौरान यह आधार वर्ष की तुलना में गिरकर 83% हो गया। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 2003-04 के दौरान 102% था तथा आधार वर्ष की तुलना में यह जाँच अवधि के दौरान गिरकर 85% हो गया।

69. मै. एसआई ग्रुप इंडिया लि. का संयंत्र उस क्षेत्र में बाढ़ के कारण जाँच अवधि के दौरान 49 दिनों के लिए बंद था। उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के आंकड़ों को 49 दिनों के प्रभाव को जानने के लिए वास्तविक आंकड़ों को समायोजित कर विश्लेषित भी किया गया था। समायोजित आंकड़ों से इसी प्रवृत्ति का पता चलता है, हालांकि उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में आधार वर्ष की तुलना में यह गिरकर जाँच अवधि के दौरान 90% हो गया।

## (ग) घरेलू उद्योग की बिक्री

घरेलू बिक्री	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50122	36134	37256
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	87	90
आबद्ध बिक्री सहित घरेलू बिक्री					
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	81	82

70. बिक्री संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग ने 2003-04 के दौरान 46636 मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री तथा जांच अवधि के दौरान यह गिरकर 38314 मी. टन हो गई। घरेलू उद्योग की बिक्री आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरकर 82% हो गई। आबद्ध बिक्रियों को छोड़कर बिक्री संबंधी आंकड़े इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग ने 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तु की 41405 मी. टन की बिक्री की जो जांच अवधि के दौरान गिरकर 37256 मी. टन हो गई। घरेलू उद्योग की बिक्री आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरकर 90% हो गई। घरेलू उद्योग की औसत भंडारसूची दर्शाती है कि औसत स्टॉक 2003-04 में 867 मी. टन था तथा यह जांच अवधि के दौरान बढ़कर 1878 मी. टन हो गया। औसत स्टॉक में 117% की वृद्धि हुई। बिक्री के दिनों की संख्या के रूप में यह 2003-04 में 8 दिनों की बिक्री के समतुल्य थे तथा आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर जांच अवधि के दौरान ये 14 दिन हो गए थे। जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग तथा औसत स्टॉक में वृद्धि से संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में परेशानी का संकेत मिलता है।

## आबद्ध खपत सहित माँग तथा बाजार हिस्सा

माँग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू बिक्री					
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
कुल आयात	मी. टन	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी. टन	70931	81250	99926	101685
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	141	143
माँग में बाजार हिस्सा					
ईयू	%	12.86	15.86	19.61	16.78
दक्षिण अफ्रीका	%	13.37	9.40	9.79	9.58
सिंगापुर	%	0.70	5.20	10.27	11.45
ताइवान	%	0.11	3.36	12.73	10.59
अमरीका	%	3.61	0.54	4.26	6.25
घरेलू उद्योग	%	65.75	63.47	37.78	37.68
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	57	57
संबद्ध देश	%	30.67	34.36	56.65	54.64
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	185	178
अन्य देशों से आयात	%	3.58	2.17	5.57	7.68
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	61	156	215

## (घ) आबद्ध खपत को छोड़कर माँग तथा बाजार हिस्सा

माँग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू बिक्री					
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50122	36134	37256
कुल आयात	मी. टन	24296	29682	62176	63371
कुल माँग	मी. टन	65701	79804	98310	100627
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	150	153
माँग में बाजार हिस्सा					
ईयू	%	13.9	16.1	24.5	16.96
दक्षिण अफ्रीका	%	14.4	9.6	9.9	9.68
सिंगापुर	%	0.8	5.3	10.4	11.57
ताईवान	%	0.1	3.4	12.9	10.70
अमरीका	%	3.9	0.5	4.3	6.31
घरेलू उद्योग	%	63.02	62.81	36.76	37.02
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99.90	58	59
संबद्ध देश	%	33.11	34.99	57.58	55.22
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	174	167
अन्य देशों से आयात	%	3.86	2.21	5.66	7.76
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	57	147	201

71. संबद्ध वस्तु की माँग (आबद्ध खपत सहित) में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शित हुई है। इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 43% की वृद्धि हुई। प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2003-04 में 65.75% था, गिरकर जांच अवधि के दौरान 37.78% हो गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों का हिस्सा जो 2003-04 में 30.67% था, बढ़कर 2004-05 में 56.65% तथा जांच अवधि के दौरान 54.64% हो गया। अन्य देशों से भी आयात का हिस्सा आधार वर्ष में 3.58% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 7.68% हो गया। अन्य देशों से आयातों में रूस तथा कोरिया, आरओके से आयात शामिल हैं। इन देशों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच भी शुरू की गई है।

72. संबद्ध वस्तु की माँग (आबद्ध खपत को छोड़कर) में यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 53% की वृद्धि हुई। प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2003-04 में 63.02% था, गिरकर जांच अवधि के दौरान 37.02% हो गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों का हिस्सा जो 2003-04 में 33.10% था, बढ़कर 2004-05 में 62.20% तथा जांच अवधि के दौरान 55.22% हो गया।

## (ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

73. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण, कीमत मंदी, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ तुलना की गई है।

(i) विचाराधीन अवधि की तुलना में निर्यात कीमत का मूल्यांकन

निर्यात कीमत	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
अमरीका	रु./मी. टन	26,126	40,477	33,403	32,852
प्रवृत्ति	आधार वर्ष 2003-04=100	100	155	83	98
ईयू	रु./मी. टन	26,543	39,145	38,076	33,036
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	147	143	124
दक्षिण अफ्रीका	रु./मी. टन	26,329	39,456	34,397	32,145
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	131	122
सिंगापुर	रु./मी. टन	25,420	41,453	33,089	31,956
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	163	130	126
चीनी ताइपेई	रु./मी. टन	34,798	39,792	38,150	33,373
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	110	96
संबद्ध देश	रु./मी. टन	26,405	39,664	36,202	32,698
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	137	124

बिक्री (एनएसआर)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06	समायोजित
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	119	113	113
सीओपी						
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	141	135	135

74. कीमतों संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि अमरीका से कीमतों में 2004-05 में 55% की वृद्धि हुई हालांकि आधार वर्ष की तुलना में यह गिरकर 98% हो गई। यूरोपीय संघ संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि कीमतों में 2004-05 में 47% वृद्धि हुई तथा इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 24% की गिरावट आई। दक्षिण अफ्रीका से कीमतों में आधार वर्ष की तुलना में, जांच अवधि के दौरान 22% के गिरावट आने के पहले 50% की वृद्धि हुई। चीनी ताइपेई से कीमतों में आधार वर्ष की तुलना में, जांच अवधि के दौरान 96% की गिरावट आने के पहले 2004-05 में 14% की वृद्धि हुई। सिंगापुर से कीमतें प्रदर्शित करती हैं कि

इसमें 2004-05 में 63% की वृद्धि हुई तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 26% की गिरावट आई। संबद्ध देशों से कीमतें दर्शाती हैं कि आधार वर्ष की तुलना में 24% की गिरावट आने से पूर्व इसमें 2004-05 में 50% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि उत्पादन की लागत में तुलना में 2004-05 में 21%, 2005-06 में 41% तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 35% की वृद्धि हुई।

(ii) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
बिक्री कीमत- घरेलू उद्योग	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	119	113
सीमाशुल्क	%	25	20	14.79	14.17
पहुँच मूल्य					
अमरीका	रु./मी.टन	32723	48653	38394	37553
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	1-10%
एनआईपी					***
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री %					5-15
यूरोप	रु./मी.टन	33244	47052	43764	37763
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	1-10
एनआईपी					42372
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री %					5-15
दक्षिण अफ्रीका	रु./मी.टन	32977	47426	39536	36745
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	2-12
एनआईपी					42372
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री %					5-20
सिंगापुर	रु./मी.टन	31838	49826	38033	36529
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	5-15
एनआईपी					42372
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री %					5-20
चीनी ताइपेई	रु./मी.टन	43584	47830	43850	38148
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	2-12
एनआईपी					42372
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री %					5-15



75. घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त रिबेट, छूट तथा कमीशन और संक्षिप्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की रिबेट प्रदान की गई है।

76. बिक्री कीमत के रुझान से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में इसमें वर्ष 2003-04 में 31%, वर्ष 2005-06 में 19% की वृद्धि हुई है, परंतु आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 13% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान उत्पादन की लागत में वर्ष 2003-04 में 23%, वर्ष 2004-05 में 38% और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 34% की वृद्धि हुई है।

77. समूची जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली के साथ करते हुए कीमत कटौती का निर्धारण किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की गणना संबद्ध देशों से आयात की कीमतों के बारे में डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में सूचित मूल्य में 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमा शुल्क जोड़कर की गई है। संबद्ध देशों से कीमत कटौती जांच अवधि के दौरान 2-10% के बीच रही थी।

78. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की भारित औसत पहुँच कीमत की जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षतिरहित कीमत से तुलना की गई है। यह दर्शाती है कि कम कीमत पर बिक्री 5-20% के दायरे में थी।

### (iii) पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण तथा संदी संबंधी प्रभाव

79. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव की संबद्ध देशों से उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली तथा पहुँच मूल्य के संदर्भ में जांच की गई।

80. उत्पादन की लागत संबंधी प्रवृत्ति दर्शाती है कि उत्पादन की भारित औसत लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 35% की वृद्धि हो गई थी जबकि बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान केवल 13% की वृद्धि हुई जो यह इंगित करती है कि घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में बिक्री कीमत की वसूली नहीं कर सका।

### च.4 क्षति संबंधी अन्य मापदंडों की जांच

81. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा क्षति संबंधी प्रमुख संकेतकों यथा आयातों की मात्रा तथा मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री और साथ ही साथ पूर्ववर्ती खंड में विभिन्न प्रखंडों के बाजार हिस्से की मांग के तरीके की जांच करने के पश्चात्, अन्य आर्थिक मापदंडों जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की विद्यमानता का संकेत मिल सकता है, का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

## (ii) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं सम्भावित प्रभाव

बिक्री (एनएसआर)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	119	113	113
सीओपी						
घरेलू उद्योग	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	141	135	135
लाभप्रदता						
हरदिलिया	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
एचओसीएल	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	196	-38	-40	-44
लाभ-पीबीआईटी						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	216	-19	-21	-27

82. आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2003-04 में 21%, वर्ष 2005-06 में 41% और जांच अवधि के दौरान 35% की वृद्धि हुई थी जबकि भारित औसत निवल बिक्री कीमत में वर्ष 2004-05 में 31%, 2005-06 में 19% और समान अवधि के दौरान 13% की वृद्धि हुई थी। प्रति इकाई लाभ जो आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) था, में वर्ष 2004-05 के दौरान 96% की वृद्धि हुई थी और इसमें जांच अवधि के दौरान 40 का घाटा हुआ था। घरेलू बिक्रियों (पीबीआईटी) पर घरेलू उद्योग का लाभ जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) था, में वर्ष 2004-05 के दौरान 21% की कमी आयी थी।

## (iii) निवेश पर आय और पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

परिसंपत्तियाँ (एनएफए)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	105	100	100
कार्यशील पूंजी	इकाई					
हरदिलिया	लाख	***	***	***	***	***
एचओसीएल	रु./लाख	***	***	***	***	***
नियोजित पूंजी (एनएफए)						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	115	109	109
पीबीआईटी						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	216	-19	-21	-27
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए)						
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	180	-17	-19	-25

83. लगाई गई पूंजी से संबंधित आंकड़ों से पता चलता है कि इसमें आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2004-05 में 20%, 2005-06 में 15% और जांच अवधि के दौरान 9% की वृद्धि हुई थी। लगाई गई पूंजी में वृद्धि मुख्यतः कार्यशील पूंजी में वृद्धि के कारण थी। वर्ष 2003-04 में लगाई गई पूंजी पर आय जो आधार के रूप में 100 (सूचीबद्ध) थी, में वर्ष 2004-05 के दौरान 80% की वृद्धि हुई थी और जांच अवधि में यह घटकर -19% रह गई।

(i) उत्पादकता

84. प्रति कर्मचारी उत्पादन संबंधी आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान 86% की गिरावट आने से पूर्व वर्ष 2004-05 में आधार वर्ष की तुलना में 14% की वृद्धि हुई थी।

रोजगार एवं मजदूरी

कर्मचारी	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू उद्योग	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	98	97
वेतन एवं मजदूरी					
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	121	135

85. एसीटोन और फिनोल का एक ही प्रक्रिया से एक साथ विनिर्माण किया जाता है। इसलिए कर्मचारियों की संख्या और उनकी मजदूरी को पूरे संयंत्र के लिए लिया गया है। रोजगार स्तर में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित नहीं होता है। सूचीबद्ध रूप में यह जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में घटकर 97% हो गया था। जांच अवधि के दौरान मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में 35% की वृद्धि हुई थी।

(viii) वस्तु सूची

औसत वस्तुसूची	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई, 05- जून, 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	113	217

86. आंकड़े यह दर्शाते हैं कि औसत वस्तुसूची आधार वर्ष में 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग दोगुनी हो गई थी। स्टॉक 2003-04 में 8 दिनों की बिक्री के तुल्य था और जांच अवधि के दौरान यह बढ़कर 14 दिनों के तुल्य हो गया था।

वृद्धि

87. मांग में वृद्धि में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वर्ष दर वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादन और बिक्रियों में वृद्धि 2004-05 में सकारात्मक 2005-06 में नकारात्मक और जांच अवधि के दौरान सकारात्मक थी। उत्पादन की लागत में वर्ष 2004-05 और 2005-06 में सकारात्मक प्रवृत्ति

प्रदर्शित होती है। तथापि, जांच अवधि में यह नकारात्मक थी। बिक्री कीमत की वृद्धि में वर्ष 2004-05 में सकारात्मक और 2005-06 एवं जांच अवधि में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। लाभ में वृद्धि में 2004-05 में सकारात्मक और 2005-06 एवं जांच अवधि में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

#### (V) निवेश

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष जांच अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं किया था। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया है और आगे निवेश करने की कोई योजना नहीं है जैसा कि उनके द्वारा निवेदन किया गया है।

#### (vi) पाटन की मात्रा

89. उस सीमा जिस तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, के सूचक के रूप में पाटन की मात्रा से पता चलता है कि जांच अवधि के लिए उल्लिखित संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।

#### (vii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

90. लागत ढांचे में परिवर्तन यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी विकल्पों की उन कारकों का विश्लेषण करने के लिए जांच की गई है जिनसे घरेलू बाजार में कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। उत्पादन की भारित औसत लागत में जांच अवधि के दौरान 35% की वृद्धि हुई थी। इसी अवधि के दौरान भारित औसत निवल बिक्री कीमत से बहुत कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती हुई है। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 2-10% के परास में थी और जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री 5-20% के परास में थी।

#### च.5. क्षति मानदंडों संबंधी निष्कर्ष

91. उपर्युक्त क्षति मानदंडों की जांच से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में 43% (कैप्टिव बिक्रियों सहित) थी। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में घटकर 81% हो गयी थी। इसी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयात वर्ष 2003-04 के दौरान 55562 मी. टन हो गए अर्थात् इनमें 155% की वृद्धि हुई थी। संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 30.67% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 54.64% हो गया था जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा 65.7% से घटकर अवधि के दौरान लाभप्रदता वर्ष 2003-04 में 100 के आधार से घटकर -44 हो गई। इसी प्रकार, जांच अवधि के दौरान लाभ (पीबीआईटी) 100 के आधार की तुलना में -27 हो गए। लगाई गई निवल पूंजी पर आय आधार वर्ष की 100 की तुलना में घटकर -25 हो गई।

## च.6 अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

92. पूर्वोक्त विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से और माँग के हिस्से के संबंध में दोनों प्रकार से अत्यधिक वृद्धि हुई है। माँग में जोरदार वृद्धि के बावजूद संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि में घरेलू उद्योग का बहुत अधिक बाजार हिस्सा छीन लिया है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य से भी घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव प्रदर्शित होता है जिसके कारण घरेलू उद्योग को आयातों के अनुसार अपनी कीमतें बेंचमार्क करने के लिए बाध्य होना पड़ा है जिससे घाटा वहन करना पड़ा है। इससे संबद्ध वस्तुओं के पाटन एवं घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।

93. प्राधिकारी ने अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति, यदि कोई हो, को अलग करने के लिए कारणात्मक संबंध के मुद्दे और नियमावली में यथाविनिर्दिष्ट अन्य गैर आरोप्य कारकों की भी जांच की है। इस संबंध में नियमावली में यथाविनिर्दिष्ट निम्नलिखित निर्देशात्मक कारकों की जांच की गई है।

### (i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमतें

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयातों की मात्रा 12.32% है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयात भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से भी है। यह भी देखा गया है कि अन्य देशों से आयातों में रूस और कोरिया से आयात शामिल हैं जिनके लिए प्राधिकारी द्वारा पहले ही पाटनरोधी जांच शुरू की जा चुकी है।

### (ii) माँग में संकुचन और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

95. संबद्ध वस्तुओं में क्षति अवधि के दौरान जोरदार वृद्धि प्रदर्शित हुई है। संबद्ध वस्तुओं की कुल माँग में जाँच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में 43% की वृद्धि (कैप्टिव बिक्रियों सहित) प्रदर्शित हुई है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पद्धति में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### (iii) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी विकास को घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

### (iv) प्रौद्योगिकी का विकास

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी विकास को घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

## (v) निर्यात निष्पादन

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा क्षति अवधि के दौरान नगण्य रही है। अतः या कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

## (vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

99. प्रति कर्मचारी उत्पादन के लिहाज से घरेलू उद्योग की उत्पादकता में जाँच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में इसी अवधि में उत्पादन में हुई कमी के कारण गिरावट प्रदर्शित हुई है।

100. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लगाया गया है जिससे संभवतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति हो।

101. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत और आवेदकों की संबद्ध वस्तुओं की औसत बिक्री वसूली से कम कीमतों पर किया गया है और इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों का पता चलता है।

## छ. क्षति मार्जिन की सीमा

102. क्षति मार्जिन के निर्धारणार्थ प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। संबद्ध देश से निर्यातों की भारत औसत पहुँच कीमत और क्षति मार्जिनों का निम्नानुसार परिकलन किया गया है :

## क्षति मार्जिन परिकलन

कम्पनी का नाम	अम. डालर/मी. टन		
	क्षति मार्जिन (बल्क)	क्षति मार्जिन (डिब्बाबंद)	क्षति मार्जिन (औसत/भारत)
मै. फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पो., चीनी ताइपेई	***		***
मै. ताईवान प्रोसपेरिटी कैमिकल लि., चीनी ताइपेई	***	***	***
चीनी ताइपेई से अन्य	***	***	***
मै. मित्सुई एंड कं. लि., सिंगापुर	***		***
सिंगापुर से अन्य	***	***	***
मै. सासोल साल्वेट्स, दक्षिण अफ्रीका	***	***	***
दक्षिण अफ्रीका से अन्य	***	***	***
यूएसए के निर्यातक	***		***
यूरोपीय संघ के निर्यातक से निर्यात	***	***	***

**ज. निष्कर्ष**

103. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :

- (क) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

**झ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे**

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आम तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी तरीके से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर असर नहीं पड़ेगा।

105. अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे वर्णित विधि और ढंग से निश्चयात्मक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं।

106. प्राधिकारी द्वारा अनुसरण किए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में दर्शायी गई राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की जाती है।

**शुल्क तालिका**

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29141100	एसीटोन	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कार्पो.	फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कार्पो.	89.42	मी. टन	अम. डालर
2.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	मै. फोरमोसा केमिकल्स एंड	उपर्युक्त के अलावा अन्य	201.27	मी. टन	अम. डालर

					फाइबर कार्पो.				
3.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	मै. ताइवान प्रोसपैरिटी केमिकल्स लि.	मै. ताइवान प्रोसपैरिटी केमिकल्स लि.	87.14	मी. टन	अम. डालर
4.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	मै. ताइवान प्रोसपैरिटी केमिकल्स लि.	उपर्युक्त के अलावा अन्य	201.27	मी. टन	अम. डालर
5.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	उपर्युक्त के अलावा अन्य	उपर्युक्त के अलावा अन्य	201.27	मी. टन	अम. डालर
6.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	201.27	मी. टन	अम. डालर
7.	वही	वही	चीनी ताइपेई से इतर कोई अन्य देश	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	201.27	मी. टन	अम. डालर
8.	वही	वही	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई	मै. मित्सुई एंड कंपनी लि.	196.71	मी. टन	अम. डालर
9.	वही	वही	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई	मै. सुमीमोटो कार्पोरेशन एवं मै. मेट्रोकेम मिडिल ईस्ट	147.15	मी. टन	अम. डालर
9.	वही	वही	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई	उपर्युक्त के अलावा अन्य	240.06	मी. टन	अम. डालर
10.	वही	वही	सिंगापुर	सिंगापुर से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	240.06	मी. टन	अम. डालर
11.	वही	वही	सिंगापुर से इतर कोई	सिंगापुर	कोई	कोई	240.06	मी. टन	अम. डालर



			अन्य देश						
12.	वही	वही	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	मै. सासोल सॉल्वेट्स	मै. सासोल सॉल्वेट्स	141.95	मी. टन	अम. डालर
13.	वही	वही	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	मै. सासोल सॉल्वेट्स	उपर्युक्त के अलावा अन्य	179.65	मी. टन	अम. डालर
14.	वही	वही	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	179.65	मी. टन	अम. डालर
15.	वही	वही	दक्षिण अफ्रीका से इतर कोई अन्य देश	दक्षिण अफ्रीका	कोई	कोई	179.65	मी. टन	अम. डालर
16.	वही	वही	यूएसए	यूएसए	कोई	कोई	213.76	मी. टन	अम. डालर
17.	वही	वही	यूएसए	यूएसए से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	213.76	मी. टन	अम. डालर
18.	वही	वही	यूएसए से इतर कोई अन्य देश	यूएसए	कोई	कोई	213.76	मी. टन	अम. डालर
19.	वही	वही	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन	कोई	कोई	277.85	मी. टन	अम. डालर
20.	वही	वही	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन से इतर कोई देश	कोई	कोई	277.85	मी. टन	अम. डालर
21.	वही	वही	यूरोपीय यूनियन से इतर कोई देश	यूरोपीय यूनियन	कोई	कोई	277.85	मी. टन	अम. डालर

107. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

108. उपर्युक्त के अध्यक्षीन प्राधिकारी दिनांक 25 अप्रैल, 2007 के प्रारंभिक जांच परिणाम की पुष्टि करते हैं; तथापि ऊपर पैरा 106 में संस्तुत शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क(2) के अनुसार अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू होगा।

109. इस आदेश के विरुद्ध अपील 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसरण में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th January, 2008

### FINAL FINDINGS

**Subject : Antidumping investigations involving imports of Acetone originating in or exported from European Union, Chinese Taipei, Singapore, South Africa & USA.**

**No. 14/4/2006-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s Schenectady Herdillia Ltd., Mumbai (now renamed as SI Group-India Ltd.) (hereinafter referred to as the Applicant) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Acetone (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from European Union, Chinese Taipei, Singapore, South Africa and USA (hereinafter referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Delegation of European Union, High Commissions of Singapore, S. Africa, Cultural Centre of Taiwan and Embassy of USA about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 7th September 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. And whereas the Designated Authority notified preliminary findings vide notification No. 14/4/2006-DGAD dated 25.4.2007 and recommended imposition of anti-dumping duty concerning imports of Acetone originating in or exported from European Union, Chinese Taipei, Singapore, South Africa & USA.

**A. Procedure After Preliminary Findings**

5. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the Preliminary Findings of the above investigations by the Authority:

- (i) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties who were interested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within 40 days from the issue of the letter.
- (ii) The Authority also forwarded copy of the preliminary findings to Embassy of the subject countries in New Delhi with a request to furnish their views on the preliminary findings.
- (iii) The data/information of the following exporters from the subject countries have been taken into account for the purpose of final findings:-
  - M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan
  - M/s Sasol Solvents, South Africa
  - M/s Taiwan Prosperity Chemicals Corporation, Taiwan
  - M/s Mitsui & Co. Ltd., Singapore
  - M/s Sumitomo Corporation, Singapore and M/s Petrochem Middle East, UAE.
- (iv) M/s Dow Chemicals, USA has stated that it has not made any export of subject goods to India during period of investigation, however, it may be treated cooperating interested party.
- (v) The data/information of the following importers have been used to cross-check the information provided by the exporters and have been taken into account for the purpose of final findings:-
  1. M/s National Organic Chemical Industries Ltd., Mumbai
  2. M/s Ranbaxy Laboratories Ltd., Gurgaon
  3. M/s Lanxess India Pvt. Ltd., Thane, Maharashtra
  4. M/s Crescent Chemsol Pvt. Ltd., Vadodara
- (vi) Other exporters and importers who have not submitted information are being treated as non-cooperating exporters and importers.
- (vii) The Authority held a Public Hearing on 19.6.2007 to hear the interested parties. The parties attending the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The Designated Authority considered the submissions as received from the interested parties in the findings.
- (viii) The Authority has considered all views expressed in submissions made by various interested parties subsequent to the preliminary findings.
- (ix) The Authority verified the information provided by the domestic industry to the extent considered necessary.
- (x) The Authority also verified the information provided by the cooperating producers and exporters to the extent considered necessary.
- (xi) The transaction-wise imports data provided by Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) have been taken into account for the purpose of this investigation.
- (xii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file (duly indexed) kept open for inspection by the interested parties. The acknowledgements of interested parties inspecting files and taking copies of the record have been kept in the public file.

- (xiii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (xiv) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in these findings.
- (xv) In compliance of decision of Supreme Court in Civil Appeal No.1294 of 2001, the normal values for subject countries have been determined.
- (xvi) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xvii) Investigation was carried out for the period of investigation (POI) starting from 1.7.2005 to 31.6.2006. The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2003 to March 2006 and the POI.

## **B. Product under Consideration**

6. The product under consideration is 'Acetone'. Acetone is organic chemical also known as Dimethyl Ketone and used in the manufacture of bulk pharmaceuticals, agro chemicals, dye stuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is classified under Chapter 29 of Custom Tariff Act under the sub-heading 29141100.

7. It is a basic organic chemical produced in single grade. It is a colourless liquid with an agreeable ether-like odour. It is used in numerous organic synthesis either as solvent or as an intermediate. It is used in manufacture of bulk pharmaceuticals, agro-chemicals, dyestuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is specifically used in manufacture of Isophorone, Diacetone, Alcohol, Methyl Methacrylate and Bishphenol A. Besides this, it is used in manufacture of certain rubber chemicals or Oxy Acethylene Cellulose Acetate.

### **B.1 Like Article**

8. The domestic industry manufactures 'Acetone' is identical to the product under consideration, therefore is being treated as like article for the purpose of this Investigation.

## **C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation**

9. The application was filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s Schenectady Herdillia Ltd., (now renamed as SI Group-India Ltd.) Mumbai, which are the producers of the subject goods in India. The applicants account for 100% production of subject goods in India, therefore, constitute domestic industry within the meaning of the Indian Anti-dumping Rules. It has been informed by the Domestic Industry that there was no production of Acetone during POI by producers of Acetone using sugar/alcohol route.

### **C.1 Imports made by M/s SI Group-India Ltd.**

10. During the period of investigation, M/s SI Group-India Ltd. had imported \*\*\* MT of Acetone. The company stated that the imports were basically made under Duty Exemption Scheme for exports of goods manufactured out of imported Acetone. During verification process it was verified that the company had imported \*\*\* MT under duty

exemption scheme and was under export obligation to export product produced from the Acetone. The Authority notes that imports under duty exemption scheme was approximately 83% of the total imports and were meant to manufacture other product for export purpose and were not intended for consumption in the country. Therefore, the Authority holds that imports made by M/s SI Group India Ltd. do not disqualify it from being part of domestic industry.

11. After preliminary findings, it has been stated by interested parties that imports made by SI Group-India Ltd. should disqualify it from being part of domestic industry. Secondly, imports made under duty exemption scheme should disqualify it from being part of domestic industry as under Rule 2(b) no distinction has been made for duty free or duty paid imports. The Authority notes that under Rule 2 (b), the Authority is to decide whether imports made by any producer disqualify it from being part of domestic industry, however, it is not mandatory under Rule 2(b) to disqualify all producers who have made imports of subject goods. The Authority is to take a view after examining the facts and purpose whether imports of subject goods made by producer disqualify it or not. The Authority notes that imports made by SI Group-India Ltd. was not made available in the market. The Authority further notes that the primary purpose of imports was not to trade in Acetone that has been clearly indicated from the evidence that imports were cleared under duty exemption scheme meant for export purpose only. Therefore, the Authority holds that the imports made by SI Group under duty exemption scheme did not disqualify it from being part of the domestic industry. It has also been argued that when a domestic producer imports the product concerned from subject country without using his capacities to manufacture the same, a part of the injury is self-inflicted. In this regard, the Authority notes that even if capacity of the concerned producer is treated as fully utilized the capacity of other manufacturers remain under-utilised despite healthy growth in demand. The Authority also holds that the purpose of injury analysis is to examine and capture the effect of dumped imports on the domestic industry. By mechanically excluding one manufacturer and major player, this purpose cannot be served, therefore, the Authority decides to continue to treat SI Group as part of the domestic industry for the purpose of this investigation.

#### **D. Other Issues**

##### **D.1 Submissions made by M/s Mitsui & Co. Ltd.**

12. HOCL, the only eligible producer to file the application is a company referred to the BIFR even prior to the period of investigation. As the Authority may be aware that the reason for referring the matter to the BIFR is the fact that there has been a complete erosion of funds i.e., the accumulated losses exceeded the shareholders funds. We understand that HOCL was registered as a sick industrial company by the BIFR as per provisions of SICA, vide Case No.501/2005. The Authority may please call for all the documents/submissions relating to the BIFR case including the order passed by the Board. In this connection, kind attention is invited to the Annual Report of 2004-05 of HOCL, the relevant excerpts of which are as follows:

*"Your company had been incurring losses from the financial year 1997-98 to 2003-04 and was referred to BIFR as a sick unit after erosion of Net Worth at the end of the financial year 2003-04."*

13. The fact that the company has been referred to BIFR makes it clear that the poor performance of the company is on account of their inherent difficulties which have been acknowledged in several reports of the government. It is also important to note that even the BIFR application was made prior to the application for anti-dumping on acetone. Under the circumstances, it is apparent that the problems cannot be attributed to the alleged dumping from the subject countries.

14. The Authority has examined the issue of HOCL under the BIFR and noted that the reason cited by the applicant before the BIFR was that "the sales at Kochi unit of the company which in fact is profit making unit suffered in 2001-02 due to dumping of products by overseas manufacturers causing severe squeeze in the margins resulting in losses. The Authority further notes that Kochi unit of the company which basically manufactures phenol and acetone was making profits during 2002-06, however, the profit was considerably reduced during 2005-06. The Authority also notes that Rasayani unit of the company was making losses during 2000-06.

15. After the preliminary findings, it was pointed out that case of BIFR was registered on 11.2.2005 which was decided in November 2005 declaring HOCL as a sick company. It has also been pointed out that real reasons for their sickness have been given in the Annexure. Certain reasons for the sickness of the company were pointed out in the submission as well.

16. On perusal of relevant annexure the Authority notes that reasons have been given for sickness of the company as a whole and not necessarily relating to Kochi plant of the company. The Authority further notes that one of the reasons mentioned on the annexure is 'severe international competition resulting in dumping of products'. The Authority, therefore, holds that mere sickness of company under SICA would not make it ineligible to seek relief under Anti-dumping Investigations, particularly, when the relevant unit of the company was not suffering losses earlier.

### **Confidentiality**

17. M/s Mitsui & Co. Ltd. has stated that the domestic industry has claimed excessive confidentiality in respect of the application. It has been stated that 'there are no reasons provided as to why the information on which confidentiality has been claimed and apparently allowed is not susceptible to summarization. It has been contended that every information is not required to be treated as confidential merely because it is provided to the Designated Authority on confidential basis by the party in the course of investigations. The company has asked for the documents/correspondence filed by the domestic industry claiming confidentiality and decision of the Authority allowing confidential along with reasons so that they may be in position to offer appropriate comments.

18. The Authority in this case has considered the data relating to customers, price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry (all producers taken together) has not been treated as confidential.

### **Adequacy and Accuracy of the information in the application**

19. M/s Mitsui & Co. Ltd. has raised the issue that the domestic industry had submitted the information for 9 months whereas period of investigation chosen by the Designated Authority is 12 months, therefore, the data/information on which the Designated Authority had initiated

the investigation were inadequate. It has also been stated that S. Korea was named as one of the countries against which investigation was sought whereas the investigation has not been initiated against S. Korea. It has been contended that by changing the period of investigation and countries, the injury and dumping analysis would change, therefore, the information provided were inadequate for initiation of the investigation under Rule 5 (3) of the Anti-Dumping Rules.

20. After the preliminary findings it was again pointed out that there is violation of obligation under Article 6.1.3 of the Anti-dumping Agreement. It has been submitted that the initial application filed by the domestic industry contained the data only for 9 months' period of investigation i.e. June 2005 to March 2006 and the information in the petition was inclusive of the information on Korea. The non-confidential version of the petition (which was also incomplete) was provided to them after the time limit for submitting the response to the exporter's questionnaire was over whereas the Designated Authority is required to supply the full text of the petition to all the known exporters as soon as the investigations are initiated. The undue delay for not providing the complete petition to the known exporters has resulted in violation of India's obligation under Article 6.1.3.

21. The Authority notes that the application was filed with the information for period of nine months and proposed period of investigation was 9 months. The Authority after examining the evidence of injury and dumping decided to initiate the investigation. The Authority, however, chosen the period of investigation as 12 months to capture effect of cyclical changes, if any. The Authority holds that the investigation was properly initiated after examining the adequacy and accuracy of the information provided. The updated information was called from domestic industry after initiation and placed in Public File for inspection of all interested parties. In respect of the allegation of dumping against S. Korea, the Authority observed that the 9 months data did not show the imports which could be considered as sufficient to initiate the investigation against the country, therefore, investigation was not initiated against Korea ROK. It has also been noted that subsequently the investigation has also been initiated against Korea ROK on receipt of data for period of 12 months which indicated that the imports were more than de minimis.

22. Regarding violation of Article 6.1.3 of Anti-dumping Agreement, the Authority notes that the obligation is to provide the application on the basis of which investigation has been initiated. The application was duly forwarded to known exporters and Government of subject countries. Further information and documents were made available by placing the same in the public file. In this regard, the intimation was made in the initiation notification stating that further information would be placed in the Public File and the interested parties have right to inspect the same. In view of the above, the Authority holds that there is no violation of Article 6.1.3 has taken place and obligation has been duly discharged.

#### **E. Methodology for calculation of dumping margin**

##### **E.1 Submissions made by M/s Mitsui & Co. Ltd.**

23. It has been stated that Acetone prices are not determined in any part of the world on the basis of its cost. Both Phenol and Acetone are co-products or joint products. The production facility is essentially for Phenol production and Acetone is produced due to technological reasons. Thus, all over the world, the Phenol-Acetone is manufactured are required to recover their cost for the sale of Phenol. The pricing of Acetone is not cost based as has been made out by the domestic industry. It is a common knowledge that prices of



Acetone is not determined solely on prices of raw material e.g. Benzene (BZ) + Propylene (C3) but also on the supply/demand of Acetone as well as the final selling price of Phenol. In other words, the prices of Acetone are not governed by the price of Acetone. The inescapable fact is that the price of Acetone is determined by the normal forces of demand and supply irrespective of costs even in the long term. It has been submitted that the domestic industry has not given the true picture as to how prices of Acetone are determined in India or for that matter anywhere else in the world. The Authority in this regard notes that the investigation has been conducted for dumped imports in to India as per the Customs Tariff Act, 1975 and Rules made thereunder which is in conformity with the Anti-dumping Agreement.

#### **E.2 Response of M/s Sasol Solvents, South Africa to the Exporters Questionnaire**

24. The exporter has stated that product sold to India are identical to those sold in the domestic market.

#### **E.3 Response by M/s Dow Chemicals Company, USA**

25. The company has reported that no exports of the subject goods have been affected during the period of investigation, however, they have indicated their desire to participate in the investigation. The company has requested that it may be treated as an interested party.

#### **E.4 USA**

##### **Normal Value for USA**

26. No exporter has responded to the initiation notification and submitted any information. In absence of any data, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, average price reported in ICIS LOR (US Gulf) for the period of investigation has been taken as normal value. To arrive at the ex factory prices appropriate adjustments on account of inland freight and insurance have been made. By adopting the above method, the average normal value for bulk material has been calculated as US\$ \*\*\* PMT.

##### **Export price for Non-cooperating Exporters**

27. The data reported by the DGCI&S for exports from USA has been relied upon to calculate the ex-factory export price. Adjustment on account of ocean freight @ US\$\*\*\* PMT, marine insurance @ \*\*%, commission @ \*\*%, inland freight @ \*\*%, port expenses @ \*\*%, bank charges @ \*\*% and credit cost @ \*\*% p.a. for 90 days credit have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the net export price has been calculated as US\$ \*\*\*PMT for bulk material.

#### **E.5 European Union**

##### **Normal Value for European Union .**

28. No exporter from the European Union has responded to the Initiation Notification. In absence of any response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, average price reported in ICIS LOR Europe for the period of investigation has been taken as the normal value. To



arrive at the ex factory prices appropriate adjustment on account of inland freight and insurance have been made. By adopting the above method, the average normal value has been calculated as US\$ \*\*\* PMT for bulk material. For packed material, packing cost has been added and normal value has been calculated as US\$ \*\*\* PMT.

### **Export price for Non-cooperating Exporters**

29. The data reported by the DGCIS for exports from European Union has been relied upon to calculate the ex-factory export price. Adjustment on account of ocean freight @ US\$\*\*\* PMT, marine insurance @ \*\*%, commission @ \*\*%, inland freight @ \*\*%, port expenses @ \*\*%, bank charges @ \*\*% and credit cost @ \*\*% p.a. for 90 days credit have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the net export price for bulk export has been calculated as US\$ \*\*\* PMT. For packed material, the net export price calculated as US\$ \*\*\* PMT.

### **E.6 Singapore**

30. M/s Mitsui & Co. Ltd., an exporter from Singapore has responded to the Initiation Notification and provided data. It has been informed that M/s Mitsui & Co. Ltd. is not a producer. The Acetone exported to India during the period of investigation has been produced by M/s Mitsui Phenol Singapore Pte. Ltd. In the investigation, related producer has not provided any information.

31. The Authority notes that to determine the normal value of the exporter, the cost of production of the producer is to be examined to check whether the sales have been made in the ordinary course of trade as per para 2 of the Annexure-1 of Anti-Dumping Rules. This examination is not possible in absence of information from the producer. The Authority, therefore, has not relied upon the information provided in respect of the domestic sales and determined the normal value on the basis of facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules.

### **M/s Sumitomo Corporation, Singapore and M/s Petrochem Middle East, UAE**

32. It has been submitted that M/s Sumitomo Corporation is not producing the goods, however, it exports the subject goods to India. It has further been stated that goods are shipped directly from Singapore to India, however, M/s Sumitomo Corporation raises the invoice on M/s Petrochem Middle East, UAE which in turn raises the invoice on the Indian customers. As cost of production of the producer is not available, therefore, the Authority has determined the normal value on the basis of facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules.

### **Normal Value for Singapore**

33. The prices of Acetone reported in ICIS LOR is for Asia which cannot be taken for a particular country, therefore, the normal value has been constructed on the basis of facts available. For constructing normal value, the price of Benzene has been taken from the data of DGCIS and for Propylene it has been taken from ICIS LOR Asia. The consumption norms of the efficient producer of the domestic industry and SION have been relied upon. For utilities, consumption norm and prices of the efficient producer of the domestic industry have been taken except for power for which the rate has been taken as per the available information of power rate in the exporting country. Conversion cost has been taken as per conversion cost of

the efficient producer of the domestic industry. SGA including interest has been taken from the Annual Report of the major producer of the exporting country. The profit @ 5% has been taken on the cost of production. By adopting this methodology, the constructed normal value for bulk material have been calculated as US\$ \*\*\* PMT. For packed material, the cost of packing material of the efficient producer of the domestic industry has been added to calculate the normal value. By this method the normal value for packed material has been calculated as US\$\*\*\* PMT.

### **Export Price**

#### **M/s Mitsui & Co. Ltd.**

34. Transaction-wise information about exports provided by the company and verified from their records has been relied upon to calculate the export price. The claim of the company, that some transactions which were not reported as it was not considered to be their exports, has been accepted. The verified information has been relied upon regarding selling price, overseas freight, overseas insurance, credit cost, bank charges. Adjustment for overseas freight @ \*\*\* \$ PMT, overseas insurance US\$ \*\*\* PMT and credit cost @ US\$ \*\*\* PMT has been adjusted to arrive at ex factory price as US\$ \*\*\* PMT for bulk material.

#### **M/s Sumitomo Corporation, Singapore**

35. Transaction-wise information about exports provided by the company has been relied upon to calculate the export price. The sale has been made only for bulk material. The information provided by M/s Sumitomo Corp. has been relied upon regarding selling price, overseas freight, credit cost. Adjustment for overseas freight @ \*\*\* \$ PMT and credit cost @ US\$ \*\*\* PMT has been adjusted to arrive at ex factory price as US\$ \*\*\* PMT for bulk material.

### **Export price for non-cooperating exporters**

36. The data reported by the DGCI&S for exports from Singapore has been relied upon to calculate the export price. Transaction-wise details from DGCI&S data export price for the bulk material have been taken as US\$ \*\*\* PMT. For the packed material export price has been taken as US\$ \*\*\* PMT. Adjustments on account of ocean freight, insurance and other charges as reported by cooperating exporter have been made to arrive at ex-factory export price. By adopting the above method, the net export price has been calculated as US\$ \*\*\* PMT for bulk material and US\$ \*\*\* PMT for packed material.

## **E.7 South Africa**

#### **M/s Sasol Solvents**

37. The exporter has responded to the Initiation Notification and provided the information on exports and domestic sales.

### **Normal Value for South Africa**

38. Transaction-wise details on domestic sales provided by the exporter have been relied upon to determine normal values. The expenses under the head 'Other items to be adjusted'

have not been permitted as there is no explanation provided for this adjustment. The transactions showing negative prices have also not been taken into account for determining normal value. After preliminary findings, no evidence has been submitted concerning excluded transactions and expenses. All other expenses claimed by exporters have been adjusted to determine weighted average normal value. The transactions relating to bulk and packed sales were segregated to determine normal value for bulk and packed products. By adopting this methodology, the normal value for bulk product has been calculated as US\$\*\*\* PMT and US\$\*\*\* PMT for packed product.

#### **Export Price for M/s Sasol Solvents**

39. The transaction wise details for bulk and packed product was segregated to determine the export price. Expenses claimed by the exporter have been adjusted to arrive at ex-factory export price. By adopting this method, the weighted average export price for bulk has been calculated as US\$ \*\*\* PMT and US\$ \*\*\* PMT for packed material.

#### **Export price for non-cooperating exporters**

40. The data reported by the DGCI&S for exports from South Africa has been relied upon to calculate the export price. From the transaction-wise DGCIS data, export price for the bulk material has been taken as US\$ \*\*\* PMT. For the packed material export price has been taken as US\$ \*\*\* PMT. Adjustments on account of ocean freight, insurance and other charges @ US \$ \*\*\* PMT as reported by cooperating exporter have been made to arrive at ex-factory export price for bulk product. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ \*\*\* PMT for bulk material. The ex-factory export price for packed material has been calculated as US\$\*\*\* PMT

### **E.8 Chinese Taipei**

#### **Normal Value for Chinese Taipei**

41: The normal value for Chinese Taipei has been determined by taking into account transaction-wise details provided by both the exporters i.e. M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC) and M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation (TPCC). The verification of the data of exporters was made. In respect of TPCC, the corrected and verified data and sales made in the ordinary course of trade have been relied upon for calculation of the normal value. FCFC, during the verification stated that sales to affiliated parties has been made on terms and conditions as compared to sales made to non-affiliated parties. The sales to affiliated parties constitute major proportion of the total sales. It was also stated that difference in prices between affiliated and non-affiliated sales was due to difference in quantity of sales. In this regard attention has been invited to a sale transaction made to non-affiliated parties in which the sales price was lower than comparable average prices to other non-affiliated parties and even lower than sales to the affiliated parties. Further, attention has been invited to the financial statement and independent auditor's report of the company wherein under the head 'significant transaction with related parties' it has been stated that "the purchase price and payment terms with the related parties are not different from those with non-related parties."

42. The normal value for Chinese Taipei has been determined by taking into account transaction-wise details provided by both the exporters. The domestic sales to the affiliated parties by M/s Formosa Chemicals have not been taken into account as there was a

considerable difference in prices between affiliated and non-affiliated parties sales. During the verification it was stated that the difference in prices to affiliated and non-affiliated parties is not because of the affiliation but is attributable to their pricing policy. The Authority notes that in the original response submitted on the exporter's questionnaire, no such mention of the pricing policy was made. ( In the comments on disclosure statement also, all submissions concerning pricing policy were made as 'confidential'). In this regard, comparison was made between the prices of affiliated and non-affiliated parties. The Authority examined the comparison and notes that the sales made to affiliated parties were at the same prices. Month-wise prices to affiliated parties were same. Whereas the selling price to non-affiliated party was at a different price. Regarding statement in the annual reports concerning purchase price, the Authority notes that the same is not correct as there was difference in prices to affiliated and non-affiliated parties. The Authority, therefore, decides to disregard the sale made to affiliated party as not having been made in the ordinary course of trade and has considered the sale made to non-affiliated party for the purpose of normal value. The expenses as claimed by the exporters have been adjusted to arrive at the weighted average normal value. The domestic sales of bulk and packed product have been taken into account to determine the normal value for bulk and packed product respectively. For bulk product the normal value has been calculated as US\$ \*\*\* PMT. For packed product the normal value is determined as US\$ \*\*\* PMT.

#### **Export price**

##### **M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation**

43. The exporter has made only bulk sales to India, therefore, the export price for bulk has been determined. To determine the export price, the verified data of the exporter has been relied upon. All adjustments claimed by the exporter have been permitted. The ex-factory export price has been calculated as US\$ \*\*\* PMT for bulk material.

##### **M/s Taiwan Prosperity Chemicals Corporation**

44. The exporter has made sales of both bulk and packed product to India. To determine the export price, the verified data of the exporter has been relied upon. The transactions of exports were segregated to determine the export prices for bulk and packed material. All adjustments claimed by the exporter have been permitted. The ex-factory export price for bulk material has been calculated as US\$ \*\*\* PMT and for packed material as US\$ \*\*\* PMT.

#### **Export price for non-cooperating exporters**

45. To determine the export price for the non-cooperating exporters, a transaction reported in DGCIS data has been relied upon. The expenses claim of the cooperating exporters have been adjusted to arrive at the ex-factory export price. The ex-factory export price for bulk material has been calculated as US\$\*\*\* PMT and for packed material as US\$ \*\*\* PMT.

#### **E.9 Dumping Margin**

46. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for cooperating and non-cooperating exporters are determined as per table below:-

Exporter/Producer	Normal Value-Bulk (US\$)	Normal Value-Packed (US\$)	Export Price-Bulk (US\$)	Export Price-Packed (US\$)	Dumping Margin - Bulk (US\$)	Dumping Margin - Packed (US\$)	Dumping Margin - Weighted Average (US\$)
<b>Singapore</b>							
M/s Mitsui & Co. Ltd.	***		***		***		*** 52.52%
M/s Sumitomo Corporation and M/s Petrochem Middle East, UAE	***		***		***		*** 47.84%
Non-cooperating Exporters	***	***	***	***	***	***	*** 65.38%
<b>South Africa</b>							
M/s Sasol Solvents	***	***	***	***	***	***	*** 24.50%
Non-cooperating Exporters	***	***	***	***	***	***	*** 35.68%
<b>Chinese Taipei</b>							
M/s Formosa Chemicals	***		***		***		*** 14.43%
M/s Taiwan Prosperity	***	***	***	***	***	***	*** 13.84%
Non-cooperating exporters	***	***	***	***	***	***	*** 38.78%
<b>USA</b>							
Non-cooperating exporters	***		***		***		*** 80.57
<b>European Union</b>							
Non-cooperating exporters	***	***	***	***	***	***	*** 86.83%

47. The dumping margins so determined are significant and above de minimis

#### **F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS**

##### **F.1 Views of the domestic industry**

48. The followings are the views of domestic industry:-

- The sales of the domestic industry declined significantly after showing a significant increase up to 2004-05. It would be seen that the import volumes in absolute term increased vis-à-vis sales of domestic industry declined. There is direct relationship between the import volumes, import price, sales volumes and market share of the domestic industry. Import volumes increased because of availability of the material at dumped prices, due to which sales of domestic industry declined.
- Profits:- Profitability of the domestic industry has significantly eroded. Even when the domestic industry attempted to maintain its market, the impact of the same was very adverse in terms of profits, which declined significantly from a situation of profits to financial losses. Decline in profitability of the domestic industry continued throughout the investigation period. Should the performance of the domestic industry

- be examined on quarter by quarter basis, the same materially deteriorated in each quarter.
- c) It would be worthy to mention that significant decline in profits is in spite of significant reduction in interest costs. In other words, whereas the profits should have improved on account of reduction in interest costs, the same has rather declined. Employment level with the domestic industry has declined.
  - d) Productivity:- Productivity of the domestic industry declined. Petitioners submit that so severe is the adverse impact of dumping that even productivity of the domestic industry has suffered inspite of the peculiar nature of the production process. Any producer of the product would like to increase production. Production restrictions/suspension are quite unusual in this kind of industry. However, so severe has been the impact of dumping that the domestic industry has been forced to cut production.
  - e) Return on capital employed:- For the purpose of calculation of return on investments, petitioners have considered sum of fixed assets and working capital and profit before interest and taxes. The information shows significant deterioration in the performance of the domestic industry, from a situation of positive return to negative return. The decline in ROI is a direct consequence of decline in profits.
  - f) Output and Capacity Utilization:- Domestic industry maintained its capacity for production of subject goods<sup>1</sup>. However, severe pressure on domestic industry from dumped imports resulted in production cuts being resorted by the domestic industry, resulting in decline in capacity utilization.
  - g) Output and capacity utilization of the domestic industry declined in spite of the fact that the domestic industry decided to offer sub-optimal prices.
  - g) Inventories:- Inventory level of the domestic industry increased. Increase in inventories is in spite of lower prices offered by domestic industry. Whereas domestic industry had inventories equal to about 3 days sales, the same increased to more than 17 days in proposed period of investigation.
  - i) Salary & wages:- Salary and wages with the domestic industry increased.
  - j) Cash Profit:- Deterioration in profits of the domestic industry adversely affected cash profits of the domestic industry, which directly affected cash flow. Petitioners have determined cash profits from the product under consideration and cash flow of the company as a whole.
  - k) Demand and market share:- Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
  - l) Growth:- Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.

49. It is thus evident that the domestic industry has suffered material injury. Thus, it can be concluded that the domestic industry is trapped in a vicious cycle of volume effect and price effect. First with the increase of the imports of the subject good from the subject countries into the Indian market as a result of excess capacity with the Foreign Producers, the domestic industry suffered from loss of sale and loss of market share. This resulted in adverse volume effect. This loss of sale forced the domestic industry to reduce their domestic selling price in order to sell the subject good in the domestic market. This resulted in adverse price effect. The exporters further reduced the selling price. As a result, the domestic industry reduced the selling price further and the process continued. Resultantly, domestic Industry faced adverse volume effect and adverse price effect as a result of distortive and unfair trade practices of the exporting countries.



### **Threat of Material Injury**

50. In addition to the material injury already being suffered by the domestic industry, imports from subject countries are posing threat of material injury to the domestic industry.

51. There is significant increase in the import volumes in absolute term as is evident from the enclosed *pro forma*, and as would be seen from the increase in import volumes. This increase in imports is in spite of best efforts of the domestic industry to sell their material even at sub-optimal prices. The increase in imports would have been more, had the domestic industry not made efforts to curtail the same by offering lower prices;

52. The price undercutting is significant as is evident from the enclosed *pro forma*. At any point of time and in spite of offering matching prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product. Given nature of the product involved, any price difference between the domestic product and imported product is not acceptable to the consumers and the domestic industry is under constant pressure for price reductions. It may be noted that it is not such a product that the domestic industry can afford to sell at prices significantly higher than the imported prices. The only option with the domestic industry is to sell at matching prices. Therefore, it should be noted that small price difference is in fact huge in this kind of product;

53. Capacities created by the producers in the subject countries are far more than their respective domestic demand. These producers are in fact saddled with excess capacity. Capacities in Taiwan, Korea and USA are 300000 MT, 100000 MT and 3175000 MT respectively, which is significantly higher than consumption in their respective markets. Due to excess capacity in China, producers have been forced to reduce their prices.

54. While inventories of the article with the domestic industry are showing increase in spite of significant reduction in the selling prices by the domestic industry, petitioners understand that the producers in subject countries are saddled with higher inventories. However, no published information is available in this regard and the Authority is requested to call for relevant information;

55. Petitioners conducted extensive analysis of exports from subject countries to world over. The analysis was shocking in terms of its likely impact on the domestic industry. World exports of subject countries are showing increasing trends, clearly implying surplus unutilized capacities with the Foreign Producers.

### **F.2 Issue raised by co-operating exporters and importers**

#### **Imports made under the Duty Exemption Scheme**

56. It has been stated that imports made under duty exemption scheme should be excluded for the purpose of injury analysis. The Authority notes that the imports made under duty exemption scheme create competition and change the price line as the importers would procure the goods from exporters or producers whosoever gives him the competitive price, therefore, the imports made under duty exemption scheme cannot be considered to have not affected the price in the market. The Authority, therefore, has not found it reasonable to exclude all duty free imports for the purpose of injury analysis.

Issue of Hindustan Organic Chemicals Ltd. (HOCL) as sick company

57. It has been stated that HOCL has been declared as a sick company and real reasons for the sickness were given in an annexure provided by the company on an annexure while filing application for declaration of sickness under SICA 1985. The Authority has already examined the issue and noted that the reasons cited on the concerned annexures were for the company as a whole. The Authority has already noted that unit concerned with the production of Phenol and Acetone were making profits during 2002 to 2006, however, the profit was considerably reduced during 2005-06. Moreover, one of the reasons cited on the annexure is 'severe international competition resulting in dumping of the product', therefore, the Authority holds that declaration of the company as a sick company under SICA would not make it ineligible to seek relief under anti-dumping investigations.

**Examination by the Authority**

F.3 Cumulative assessment of injury

58. As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

59. With a view to assess the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority notes that -

- i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced Acetone.
- iii) The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are similar products.

60. Therefore, the Authority finds it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

61. The Authority has taken note of various arguments raised by various parties in their submissions.

62. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these



imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

63. For the purpose of injury analysis the Authority has examined cumulative effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

64. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject countries, therefore, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

**(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

65. The Authority has procured transaction wise details of imports of subject goods from DGCI&S. As per the data, imports from EU, South Africa, Singapore, Chinese Taipei, USA constitutes 26.93%, 15.36%, 18.36%, 16.99% and 10.03% respectively. The imports from subject countries are more than de minimis individually. The Authority notes that the share of subject countries in imports was 89.55% in 2003-04 increased to 94.06% in 2004-05 before declining to 91.05% in 2005-06 and 87.68% in POI. The Authority observed that the share of imports from other countries was 10.45% in 2003-04 declined to 5.94% in 2004-05 and increased to 8.95% in 2005-06, 12.32% in POI. The trend indicates that imports from the subject countries were facing competition from imports of other countries. The Authority also observes that the anti-dumping investigation, on the request of domestic industry, have already been initiated on imports from Russia and Korea ROK.

**i) Import Volumes and share of subject country**

Imports	Units	2003-04	2004-05	2005-06	July 05-June 06
		Volume	Volume	Volume	Volume
		MT	MT	MT	MT
EU	MT	9125	12884	19591	17068
South Africa	MT	9487	7639	9779	9737
Singapore	MT	500	4227	10264	11638
Taiwan	MT	81	2733	12718	10766
USA	MT	2564	437	4257	6353
Other countries	MT	2539	1762	5567	7809
Subject Countries	MT	21757	27920	56609	55562
Trend	Indexed	100	128.3265	260	255
Total Imports	MT	24295	29682	62175	63371

Trend	Indexed	100	122	256	261
Market Share in Imports					
EU	%	37.56	43.41	31.51	26.93
South Africa	%	39.05	25.74	15.73	15.36
Singapore	%	2.06	14.24	16.51	18.36
Taiwan	%	0.33	9.21	20.45	16.99
USA	%	10.55	1.47	6.85	10.03
Other countries	%	10.45	5.94	8.95	12.32
Subject Countries	%	89.55	94.06	91.05	87.68
		100.00	100.00	100.00	100.00

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth In Demand

**Growth in Demand including Captive Consumption**

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-june06
Domestic Industry	MT	46636	51567	37751	38314
Total Imports	MT/Lacs	24295	29682	62175	63371
Total Demand	MT/Lacs	70931	81250	99926	101685
Trend	Indexed	100	115	141	143

**Growth in Demand excluding Captive Consumption**

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-june06
Domestic Industry	MT	41405	50122	36134	37256
Total Imports	MT/Lacs	24295	29682	62175	63371
Total Demand	MT/Lacs	65701	79804	98310	100627
Trend	Indexed	100	121	150	153

66. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales (including captive consumption) of domestic industry and all imports from all countries. From the data, trend indicates that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 43% during POI as compared to base year i.e. 2003-04.

67. The growth in demand of subject goods excluding captive sales also shows similar trends. However, as compared to base year it grew by 53%.

b) Production of the Domestic Industry

Capacity	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-june06	Adjusted
DI	MT	45500	45500	45500	45500	45500
Trend	Indexed	100	100	100	100	100
Capacity Utilisation						
DI	%	102	114	80	85	91
Trend	Indexed	100	112	79	83	90
Production						
DI	MT	46422	52036	36477	38736	46569
Trend	Indexed	100	112	79	83	90

68. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that the capacity of the domestic industry was 45500 MT during 2003-04 and had not changed during POI. The production of subject goods was 46422 MT during 2003-04 after rising in 2004-05 declined to 36477 MT during 2005-06 and was 38736 MT during POI. The trend indicates the production rose by 12% in 2004-05 and declined to 83% of the base year during POI. The capacity utilisation of domestic industry was 102% during 2003-04 declined to 85% during POI as compared to the base year.

69. The plant of M/s SI Group India Ltd. was out of operation for 49 days during POI due to floods in that area. The data on production and capacity utilisation has also been analysed by adjusting the actual data to capture the effect of 49 days. The adjusted data reveals similar trends, however, production and capacity utilisation declined to 90% during POI as compared to base year. It has been pointed out that by exporters that 'when a domestic producer imports the product concerned from the subject countries without using his capacities to manufacture the same, a part of the injury is self-inflicted.' The Authority in this regard notes that if the capacity of the concerned manufacturer is treated as fully utilised even then the capacity of the other producers shows under-utilisation.

#### c) Sales of Domestic Industry

Domestic Sales	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	MT	41405	50122	36134	37256
Trend	Indexed	100	121	87	90
Domestic sales including Captive sales					
Domestic Industry	MT	46636	51567	37751	38314
Trend	Indexed	100	111	81	82

70. The data on sales indicates that the domestic industry sold 46636 MT of subject goods during 2003-04 and it declined to 38314 MT during POI. The sale of domestic industry fell to 82% during POI as compared to base year. The data on sales excluding captive sales indicates that the domestic industry sold 41405 MT of subject goods during 2003-04 and it declined to 37256 MT during POI. The sale of domestic industry fell to 90% during POI as compared to base year. The average inventory of the domestic industry indicates that the average stock was 867MT in 2003-04 and it risen to 1878 MT during POI. The average stock rose by 117%. In term of number of days of sales it was equivalent to 8 days of sales in 2003-04 and rose to 14 days of sales during POI as compared to base year. The decline in production, sales, capacity utilization and growth of average stock during POI indicate difficulty in selling the subject goods

#### Demand and Market Share including captive consumption

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Sales					
Domestic Industry	MT	46636	51567	37751	38314
Total Imports	MT	24295	29682	62175	63371
Total Demand	MT	70931	81250	99926	101685
Trend	Indexed	100	115	141	143
Market Share in					

Demand					
EU	%	12.86	15.86	19.61	16.78
SothAfrica	%	13.37	9.40	9.79	9.58
Singapore	%	0.70	5.20	10.27	11.45
Taiwan	%	0.11	3.36	12.73	10.59
USA	%	3.61	0.54	4.26	6.25
Domestic Industry	%	65.75	63.47	37.78	37.68
Trend	Indexed	100	97	57	57
Subject Countries	%	30.67	34.36	56.65	54.64
Trend	Indexed	100	112	185	178
Imports from Other countries	%	3.58	2.17	5.57	7.68
Trend	Indexed	100	61	156	215

d) Demand and Market Share excluding captive consumption

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Sales					
Domestic Industry	MT	41405	50122	36134	37256
Total Imports	MT	24296	29682	62176	63371
Total Demand	MT	65701	79804	98310	100627
Trend	Indexed	100	121	150	153
Market Share in Demand					
EU	%	13.9	16.1	24.5	16.96
SothAfrica	%	14.4	9.6	9.9	9.68
Singapore	%	0.8	5.3	10.4	11.57
Taiwan	%	0.1	3.4	12.9	10.70
USA	%	3.9	0.5	4.3	6.31
Domestic Industry	%	63.02	62.81	36.76	37.02
Trend	Indexed	100	99.90	58	59
Subject Countries	%	33.11	34.99	57.58	55.22
Trend	Indexed	100	106	174	167
Imports from Other countries	%	3.86	2.21	5.66	7.76
Trend	Indexed	100	57	147	201

71. The demand (including captive consumption) of subject goods has shown rising trend. It grew by 43% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 65.75% in 2003-04 declined to 37.78% during POI. During the same period the share of subject countries which was 30.67% in 2003-04 rose to 56.65% in 2004-05 and 54.64% during POI. The share of imports from other countries has also risen from 3.58% in the base year to 7.68% during POI. The imports from other countries include imports from Russia and Korea ROK. The anti-dumping investigations against these countries have also been initiated.

72. The demand (excluding captive consumption) of subject goods shows similar trend. It grew by 53% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 63.02% in 2003-04 declined to 37.02% during POI.

During the same period the share of subject countries which was 33.10% in 2003-04 rose to 62.20% in 2004-05 and 55.22% during POI.

**(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

73. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

**(i) Evaluation of Export Price over period under consideration**

Export Price	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
USA	Rs/MT	26,126	40,477	33,403	32,852
Trend	Base year 2003-04=100	100	155	83	98
E U	Rs/MT	26,543	39,145	38,076	33,036
Trend	Indexed	100	147	143	124
South Africa	Rs/MT	26,329	39,456	34,397	32,145
Trend	Indexed	100	150	131	122
Singapore	Rs/MT	25,420	41,453	33,089	31,956
Trend	Indexed	100	163	130	126
Chinese Taipei	Rs/MT	34,798	39,792	38,150	33,373
Trend	Indexed	100	114	110	96
Subject Countries	Rs/MT	26,405	39,664	36,202	32,698
Trend	Indexed	100	150	137	124

Sales(NSR)	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06	Adjusted
Trend	Indexed	100	131	119	113	113
COP						
Trend	Indexed	100	121	141	135	135

74. The data on prices reveals that prices from USA increased by 55% in 2004-05 however decline to 98 % as compared to base year. Data on European Union shows the prices increased to 47% in 2004-05 and declined to 24% during POI as compared to the base year. Prices from South Africa as compared to base year increased by 50% before declining to 22% during POI. Prices from Chinese Taipei as compared to base year increased by 14% in 2004-05 before declining to 96% during POI. Prices from Singapore reveal it increased

by 63% in 2004-05 and declined to 26% during POI as compared to base year. Prices from subject countries show that it increased by 50% in 2004-05 before declining to 24% as compare to base year.

(ii) Price undercutting and underselling effects

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July'05 to June'06
<b>Selling price-DI</b>		***	***	***	***
	Rs/ MT				
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100</b>	<b>131</b>	<b>119</b>	<b>113</b>
<b>Customs Duty</b>	%	25	20	14.79	14.17
<b>Landed value</b>					
<b>USA</b>	Rs/ MT	32723	48653	38394	37553
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	1-10%
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling %					5-15
<b>Europe</b>	Rs/ MT	33244	47052	43764	37763
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	1-10
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling %					5-15
<b>South Africa</b>	Rs/ MT	32977	47426	39536	36745
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	2-12
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling %					5-20
<b>Singapore</b>	Rs/ MT	31838	49826	38033	36529
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	5-15
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling %					5-20
<b>Chinese Taipei</b>	Rs/ MT	43584	47830	43850	38148
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	2-12
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling %					5-15

75. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

76. The trend of selling price indicates that it has risen by 31% in 2003-04, 19% in 2005-06 as compared to base year, however, it rose by 13% during POI as compared to base year. During the same period, the cost of production had risen by 23% in 2003-04, 38% in 2004-05 and 34% during POI as compared to base year.

77. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The price undercutting from subject countries was in the range of 2-10% during POI.

78. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 5-20%.

(iii) **Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

79. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

80. The trend of cost of production shows that weighted average cost of production rose by 35% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased only by 13% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of production.

**F.4 Examination of other Injury Parameters**

81. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

ii) **Profits and actual and potential effects on the cash flow**

Sales(NSR)	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06	Adjusted
Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	119	113	113
COP						
Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	141	135	135
Profitability						
HERDILLIA	Rs/MT	***	***	***	***	***
HOCL	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	196	-38	-40	-44
Profits - PBIT						

<b>Domestic Industry</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	216	-19	-21	-27

82. The data indicate that weighted average cost of production of the domestic industry rose by 21% in 2003-04, 41% in 2005-06 and 35 % during POI as compared to base year whereas the weighted average net selling price increased by 31 % in 2004-05, 19% in 2005-06 and 13% during the same period. The profit per unit which was 100 (indexed) in the base year increased by 96% during 2004-05 and turned into loss of 40 during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales(PBIT) which was 100 (indexed) in 2003-04 increased by 116% in 2004-05 and turned to loss of 21% during POI..

iii) **Return on investment and ability to raise capital**

<b>Assets(NFA)</b>	<b>Unit</b>	<b>2003-04</b>	<b>2004-05</b>	<b>2005-06</b>	<b>July05-June06</b>	<b>Adjusted</b>
<b>Domestic Industry</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	96	105	100	100
<b>Working Capital</b>	<b>Unit</b>					
<b>HERDILLIA</b>	<b>Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>HOCL</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>Capital Employed (NFA)</b>						
<b>Domestic Industry</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	120	115	109	109
<b>PBIT</b>						
<b>Domestic Industry</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	216	-19	-21	-27
<b>ROCE(NFA)</b>						
<b>Domestic Industry</b>	<b>%</b>	***	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	-100	180	-17	-19	-25

83. The data on capital employed shows that it increased by 20% in 2004-05, 15% in 2005-06 and 9% during POI as compared to base year. The increase of capital employed was mainly because of increase of the working capital. The return on capital employed with base as 100 (indexed) in 2003-04 increased by 80% in 2004-05 and turned to -19% during POI.

i) **Productivity**

84. The data on production per employee shows that the productivity increased by 14% in 2004-05 before declining to 86% during POI as compared to base year.

**Employment and wages**

<b>Employees</b>	<b>Unit</b>	<b>2003-04</b>	<b>2004-05</b>	<b>2005-06</b>	<b>July05-june06</b>
<b>DI</b>	<b>No</b>	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	98	98	97
<b>Salary &amp; wages</b>					
<b>DI</b>	<b>Rs/Lacs</b>	***	***	***	***
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	100	112	121	135

85. Acetone and Phenol are manufactured together in a same process. Therefore, the number of employees and their wages have been taken for the plant as a whole. The



employment level does not show significant change. In indexed form it declined to 97% during POI as compared to base year. The wages increased by 35% during POI as compared to base year.

**viii) Inventories**

Average Inventory	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
DI	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	113	217

86. The data indicates the average inventory almost doubled during POI from the 100 of the base year. The stock was equivalent to 8 days of sales in 2003-04 and increased to equivalent of 14 days during POI

**Growth**

87. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. The growth in production and sales were positive in 2004-05, negative in 2005-06 and was positive during the POI. The cost of production show positive trend in 2004-05 and 2005-06, however, it was negative in POI. Growth of selling price shows positive trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and POI. Growth of profits shows positive trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and POI.

**v) Investment**

88. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods from base year to POI. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there is no plan for further investment as submitted by them.

**vi) Magnitude of Dumping**

89. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries named, for the POI, are significant.

**vii) Factors affecting prices**

90. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors might be affecting the prices in the domestic market. The weighted average cost of production has increased by 35% during POI. The weighted average net selling prices increased by 13% during the same period. The Authority notes that Landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The undercutting during POI was in the range of 2-10% and underselling was in the range of 5-20% during POI.

**F.5 Conclusion on injury parameters**

91. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 43% (including captive sales) during POI as compared to base year. The production of the domestic industry declined to 83% during POI as compared to the base year. The sales

including captive sales of the domestic industry declined to 81% during POI as compared to the base year. During the same period, the imports of subject goods increased significantly from 21757 MT in 2003-04 to 55562 MT during POI i.e. it increased by 155%. The share of the imports from subject countries increased from 30.67% in 2003-04 to 54.64% during POI whereas the share in demand of the domestic industry declined from 65.7% to 37.68% during the same period. The capacity of the domestic industry despite growth in demand declined and remained unutilized during POI. The profitability during POI turned to -44 during POI from base of 100 in 2003-04. Similarly, profits (PBIT) turned to -27 during POI as compared to base of 100. The return on net capital employed turned to -25 during POI as compared to 100 of base year.

#### **F.6 Other Known factors and Causal Link**

92. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. Despite strong growth in demand the growth of imports from subject countries have significantly displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from the subject countries also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports thereby incurring losses. This establishes causal link between dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

93. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

##### **i) Volume and prices of imports from other sources**

94. The authority notes that the volume of imports from other countries are 12.32%. The Authority notes that the imports from other countries may also have been contributing to the injury of the domestic industry. It has been further observed that the imports from other countries include imports from Russia and Korea ROK for which the anti-dumping investigations have already been initiated and are in progress.

##### **ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

95. The subject goods have shown robust growth during the injury period. The total demand of subject goods have shown growth of 43% (including captive sales) during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market which could be attributed to the injury to the domestic industry.

##### **iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

96. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

##### **iv) Development of technology**

97. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

**v) Export performance**

98. The Authority notes that the export volume of the domestic industry is insignificant during the entire injury period. Therefore, this factor is not attributable to the injury to the domestic industry.

**vi) Productivity of the Domestic Industry**

99. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline during POI as compared to base year because of the decline in production during the same period.

100. The other factors which could have possibly caused injury to the domestic industry and brought to the knowledge of the Authority have already been analysed.

101. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

**G. Magnitude of Injury Margin**

102. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

**Injury margin Calculations**

Name of company	USD./MT		
	Injury Margin (Bulk)	Injury Margin (Packed)	Injury Margin (Avg/Weighted)
M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Chinese Taipei	***		***
M/s Taiwan Prosperity Chemical Limited, Chinese Taipei	***	***	***
Others from Chinese Taipei	***	***	***
M/s Mitsui & Co. Ltd., Singapore	***		***
Others from Singapore	***	***	***
M/s Sasol Solvents, South Africa	***	***	***
Others from South Africa	***	***	***
Exporters from USA	***		***
Exporters from European Union	***	***	***

**H. Conclusions**

103. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

### I. Indian industry's interest & other issues

104. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

### J. Recommendations

105. In view of the above, the Authority considers it necessary and recommends definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

106. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

**Duty Table**

Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29141100	Acetone	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Formosa Chemicals & Fibre Corp.	Formosa Chemicals & Fibre Corp.	89.42	MT	USD
2.	Do	Do	Chinese Taipei	Chinese Taipei	M/s Formosa Chemicals & Fibre Corp.	Other than above	201.27	MT	USD
3.	Do	Do	Chinese Taipei	Chinese Taipei	M/s Taiwan Prosperity Chemicals Ltd.	M/s Taiwan Prosperity Chemicals Ltd.	87.14	MT	USD
4.	Do	Do	Chinese Taipei	Chinese Taipei	M/s Taiwan Prosperity Chemicals Ltd.	Other than above	201.27	MT	USD
5.	Do	Do	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any other than above	Any other than above	201.27	MT	USD
6.	Do	Do	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei	Any	Any	201.27	MT	USD
7.	Do	Do	Any country	Chinese Taipei	Any	Any	201.27	MT	USD

			other than Chinese Taipei						
8.	Do	Do	Singapore	Singapore	Any	M/s Mitsui & Co. Ltd.	196.71	MT	USD
9.	Do	Do	Singapore	Singapore	Any	M/s Sumitomo Corporation & M/s Petrochem Middle East	147.15	MT	USD
9.	Do	Do	Singapore	Singapore	Any	Any other than above	240.06	MT	USD
10.	Do	Do	Singapore	Any country other than Singapore	Any	Any	240.06	MT	USD
11.	Do	Do	Any country other than Singapore	Singapore	Any	Any	240.06	MT	USD
12.	Do	Do	South Africa	South Africa	M/s Sasol Solvents	M/s Sasol Solvents	141.95	MT	USD
13.	Do	Do	South Africa	South Africa	M/s Sasol Solvents	Any other than above	179.65	MT	USD
14.	Do	Do	South Africa	Any country other than S. Africa	Any	Any	179.65	MT	USD
15.	Do	Do	Any country other than S. Africa	South Africa	Any	Any	179.65	MT	USD
16.	Do	Do	USA	USA	Any	Any	213.76	MT	USD
17.	Do	Do	USA	Any country other than USA	Any	Any	213.76	MT	USD
18.	Do	Do	Any country other than USA	USA	Any	Any	213.76	MT	USD
19.	Do	Do	European Union	European Union	Any	Any	277.85	MT	USD
20.	Do	Do	European Union	Any country other than EU	Any	Any	277.85	MT	USD
21.	Do	Do	Any country other than EU	European Union	Any	Any	277.85	MT	USD

107. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

108. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 25<sup>th</sup> April 2007, however duty recommended in para 106 above would be applicable from the date of imposition of provisional anti dumping duty as per Section 9A(2) of the Custom Tariff Act 1975.

109. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

R. GOPALAN, Designated Authority